राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 02नवम्बर 2020 वर्ष–3, अंक –277 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रेलवे ने चलाई 610 अतिरिक्त लोकल ट्रेनें

मुंबई। मुंबई की उपनगरीय लोकल ट्रेनों में भीड़ को कम करने के लिए रेलवे ने एक नवंबर से 610 अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे द्वारा जारी एक संयुक्त विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेन सेवाओं के साथ विशेष उपनगरीय लोकल ट्रेन सेवाओं की संख्या बढ़कर 2020 हो जाएगी। विज्ञप्ति में कहा गया कि 610 सेवाओं में से 314 को मध्य रेलवे नेटवर्क पर चलाया जाएगा, जबकि शेष 296 ट्रेनों को पश्चिम रेलवे के नेटवर्क पर चलाया जाएगा। रेलवे मुंबई के उपनगरीय नेटवर्क पर 1,410 सेवाओं का संचालन कर रहा है, जिनमें से 706 मध्य रेलवे की लाइनों पर और 704 पश्चिम रेलवे की लाइनों पर हैं। गौरतलब है कि रेलवे ने 15 जून को आपातकालीन और आवश्यक सेवाओं में कार्यरत व्यक्तियों के लिए स्थानीय ट्रेन सेवाओं को फिर से शुरू किया था।

यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा दो स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया गया है। इनमें एक स्पेशल ट्रेन दुर्ग से पटना एवं दूसरी स्पेशल ट्रेन दुर्ग से रक्सौल के बीच चलेगी। दोनों ट्रेनें एक फेरे के लिए चलेंगी। दुर्ग से रक्सौल के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन छह नवंबर को दुर्ग स्टेशन से प्रातः 7.25 बजे रवाना होगी और रायपुर, बिलासपुर, झारसुगड़ा, राउरकेला होते हुए संध्या 5.40 मिनट पर चक्रधरपुर पहुंचेगी। यह ट्रेन टाटानगर, पुरुलिया, आसनसोल, बरौनी, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर होते हुए रक्सौल 7 नवंबर को दिन के एक बजे पहुंचेगी। इस ट्रेन का ट्रेन संख्या 08295 होगा।

गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के गजल होटल पर चला प्रशासन का बुलडोजर

गाजीपुर। विधायक मुख्तार अंसारी की पत्नी और बेटों के होटल गजल पर रविवार सुबह प्रशासन के बुलडोजर गरजे। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आखिरकार गजल होटल ढहा दिया गया। सुबह सात बजे एसपी सिटी और एडीएम के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस फोर्स की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण शुरू हुआ। रातभर गजल होटल के बाहर दुकानों को खाली करने का काम चलता रहा। कार्रवाई के दौरान महुआबाग और मिश्र बाजार को बैरीकेडिंग करते हुए वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई है। होटल का ध्वस्तीकरण देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ जुटी रही। शहर के महुआबाग में स्थित मुख्तार अंसारी के होटल गजल पर रविवार सुबह को प्रशासन ने कार्रवाई शुरू की। जिलाधिकारी के अध्यक्षता में नियंत्रक

प्राधिकारी बोर्ड विनियमित क्षेत्र गाजीपुर ने शनिवार की शाम गजल होटल के मालिक अब्बास अंसारी व उमर अंसारी पुत्रगण मुख्तार अंसारी की अपील खारिज कर दी थी। 15 पेज के फैसले में एसडीएम सदर/विनियमित क्षेत्र अधिकारी के ध्वस्तीकरण के फैसले को सही मानते हुए अग्रिम कार्रवाई का आदेश दिया है। बोर्ड के आदेश को देर रात होटल पर तहसीलदार ने चस्पा किया और सीओ सदर के नेतृत्व में फोर्स ने दुकानों को आनन-फानन खाली करा दिया गया। इसके बाद सुबह से पुलिस और प्रशासन ने चिह्नित किए गए भवन को ढहाना शुरू कर दिया। होटल पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई, जिन्हें पुलिस ने मशक्कत के बाद हटाया। एडीएम राजेश सिंह, एडीएम सुशील कुमार श्रीवास्तव, एसडीएम सदर प्रभाष कुमार, एसडीएम सेवराई रमेश मौर्या, एसपी सिटी गोपीनाथ सोनी, सीओ सिटी ओजस?वी चावला, शहर कोतवाल विमल मिश्रा समेत देर रात से ही कई थानों की फोर्स लगा रहा। महुआबाग व मिश्रबाजार को चारो तरफ से सील कर रखा था किसी को भी जाने की अनुमति नही है। बता दें कि बीते 25 जून को सदर एसडीएम प्रभास कुमार ने गजल होटल के जमीन की पैमाइश कराई थी। इसमें तमाम अनियमितता मिली थी। होटल के नक्शे को भी एसडीएम ने निरस्त कर दिया है। वहीं होटल की जमीन की जांच में उसके खरीद व बिक्री में तमाम अनियमितता मिली थी। गजल होटल के अवैध निर्माण और रजिस्ट्री में फर्जीवाड़े पर मुख्तार की पत्नी और दोनों बेटों सहित 12 के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जा चुका है।

इंग्लैंड में कोरोना के कहर ने फिर दी दस्तक, 2 दिसंबर तक के लिए लिए लगाया गया लॉकडाउन

लंदन। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने शनिवार को इंग्लैंड में 2 दिसंबर तक के लिए लॉकडाउन की घोषणा की है। उन्होंने यह फैसला विशेषज्ञों की आशंका के बाद ली है, जिसमें विशेषज्ञों का कहना है कि अगर सख्त कार्रवाई नहीं की जाती है तो दिसंबर तक कोरोना वायरस के कारण होने वाली मौत की संख्या में तेज वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है। आपको यह भी बता दें कि इंग्लैंड में कोरोना के मामले दस लाख के पार कर गए हैं।

यहां के वैज्ञानिक सलाहकारों ने चेतावनी दी है कि कोरोनो वायरस के दोबारा बढ़ते मामलों के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों और मरने वालों की संख्या जल्द ही महामारी के चरम में देखे गए स्तर को पार कर सकती है। सरकार के वैज्ञानिक सलाहकार समूह के एक सदस्य एपिडेमियोलॉजिस्ट जॉन एडमंड्स ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में मॉडलर्स ने जो एक सबसे खराब स्थिति का सिनेरियो बनाया था, मामले उस स्थिति से कहीं ऊपर चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संक्रमण के स्तरों के आधार पर ब्रिटेन के लिए स्थानीय प्रतिबंधों की एक प्रणाली शुरू की थी, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना था कि यह पर्याप्त नहीं है। टाइम्स ऑफ लंदन के मुताबिक, जॉनसन सोमवार को एक महीने के लॉकडाउन की घोषणा की है। नए लॉकडाउन में गैर-जरूरी व्यवसायों को बंद रखने के लिए कहा गया है। लोगों को घर पर रहने के लिए कहा गया है। हालांकि स्कूल और यूनिवर्सिटी खुले रहेंगे। ब्रिटेन में एक दिन में 20,000 से अधिक नए कोरोना वायरस मामले आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री जॉनसन ने कहा, कोई भी इस तरह के उपायों को कहीं भी

लागू नहीं करना चाहता है। हमारी आशा थी कि मजबूत स्थानीय कार्रवाई मजबूत स्थानीय नेतृत्व द्वारा, हम संक्रमण की दरों को कम कर सकते हैं। हम प्रकृति के सामने और इस देश में विनम्र हो गए हैं। यूरोप के अधिकांश हिस्सों में वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है। अगर लॉकडाउन जैसा प्रतिबंध फर से नहीं लगाए गए तो हम अपने देश में प्रति दिन कई हजार तक मौतें देख सकते हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, 31 जनवरी से 31 अक्टूबर 2020 के बीच इंग्लैंड में 1,011,660 पॉजिटिव केस पाए गए हैं। पिछले 24 घंटों में 21,915 नए मामले सामने आए और 326 मौतें हुई थीं।

दूसरे लॉकडाउन की घोषणा इंग्लैंड के लिए की गई है, जो यूनाइटेड किंगडम का सबसे बड़ा और सबसे अधिक आबादी वाला क्षेत्र है, जिसमें स्थानीय लॉकडाउन और वेल्स, स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड में पहले से ही सख्त प्रतिबंध हैं। स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के बीच यात्रा से बचने की भी सलाह दी गई है। आपको बता दें कि फ्रांस, बेल्जियम और जर्मनी पहले ही कोरोना की संभावित दूसरी लहर को देखते हुए सख्त प्रतिबंध लगा चुके हैं।

शादियों में 50 मेहमानों की सीमा से प्रतिबंध हटा, बंद हॉल में 200 लोगों को बुलाने की अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने शनिवार को शादी समारोह में केवल 50 मेहमानों के प्रतिबंध को हटाकर लोगों को एक बड़ी राहत दी। मुख्य सचिव विजय देव द्वारा जारी देर रात को आए आदेश में, डीडीएमए ने मेहमानों की संख्या को ध्यान में रखते हुए बैंक्वेट हॉल में 200 व्यक्तियों या शादियों के लिए बंद स्थानों की अनुमति दी। हालांकि, अंतिम संस्कार के लिए मेहमानों की संख्या में प्रतिबंध 20 तक जारी रहेगा। DDMA ने शनिवार को शहर में होने वाली शादियों और संबंधित कार्यों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का एक सेट भी जारी किया। बंद स्थानों में, 200 लोगों के साथ बड़े 50त्न तक भरे जाने की अनुमति होगी। खुले स्थानों या मैदानों में, अनुमति वाले मेहमानों की संख्या, क्षेत्र जिला मजिस्ट्रेट और डीसीपी द्वारा तय की जाएगी, यह आदेश कहा गया है।आदेश में निहित है कि यदि कोई 200 से अधिक व्यक्तियों के साथ एक बड़ी शादी की योजना बना रहा है, तो उसके लिए खुला स्थान चुनना बेहतर विकल्प होगा क्योंकि दस्तावेज़ में उल्लिखित लोगों की संख्या पर कोई विशिष्ट लिमिट नहीं है। इसमें कहा गया है कि फेस मास्क पहनना, सामाजिक दूरी बनाए रखना, थर्मल स्कैनिंग की व्यवस्था और हैंड वाश या सैनिटाइजर का इस्तेमाल अनिवार्य होगा। SoPs ने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति को विवाह स्थल पर सभी व्यवस्थाओं और समन्वय की देखरेख के लिए आयोजक द्वारा नोडल व्यक्ति के रूप में नामित नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल के प्रवेश पर नोडल व्यक्ति का नाम और संपर्क प्रदर्शित किया जाना चाहिए। शनिवार के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में देश में कोरोना के कुल 48,268 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही भारत के कुल मामले 81,37,119 हो गए है। वहीं 551 नई मौतों के साथ ही संक्रमण से मरने वालों की संख्या 1,21,641 हो गई है।

छपरा में पीएम मोदी-मां तुम छठ पूजा की तैयारी करो, तुम्हारा बेटा भूखा नहीं सोने देगा

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के दूसरे चरण के होने वाले चुनाव के लिए आज प्रचार करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार पहुंचे हैं। इस वक?त वह छपरा में रैली को सम?बोधित कर रहे हैं। छपरा में चुनावी रैली को सम?बोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पहले चरण के मतदान से साफ संकेत है कि बिहार में नीतीश बाबू की सरकार बन रही है। ये देख कर कुछ लोगों के चेहरे की हंसी गायब हो गई हो गई। अपने ही कार्यकर्ताओं को मारपीट रहे हैं। मुझे भी गाली दे रहे हैं। उन?होंने कहा कि जिन लोगों की नज़र गरीब के पैसों पर हो उन्हें गरीबों की तकलीफ नहीं दिखाई देती।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। उस वीडियो में बुजुर्ग महिला से व्यक्ति पूछता है कि मोदी के काहें खातिर वोट देबू,का कईलें हं तोहरे खातिर। मैं उस वीडियो से इतना प्रभावित हो गया। गांव की उस महिला ने एक सांस में जवाब दे दिया। जब वह मां बोल रही थी तो जो पूछने गया था उसका चेहरा देखने लायक था। उसकी बोलती बंद हो गई थी। मोदी हमरा के नल, बिजली, छत ,राशन, पेंशन, गैस दिहलं। उनका का वोट न देबं त का तोहरा के देब। आज बिहार के मां, बेटियां और लोग एनडीए के विरोधियों से यही कह रहे हैं कि एनडीए के वोट ना देब त का तोहरा के देब। यह सब आपके एक वोट की ता?कत है। आज बिहार के सामने डबल इंजन की सरकार है तो दूसरी तरफ डबल-डबल युवराज भी हैं। एक तो जंगलराज के युवराज भी हैं। डबल इंजन वाली सरकार बिहार के विकास को प्रतिबद्ध है। वहीं डबल-डबल युवराज अपने-अपने सिंहासन की लड़ाई लड़ रहे हैं। जब यूपी के चुनाव हुए तो वहां भी डबल-डबल युवराज हाथ हिला रहे थे लेकिन जनता ने उन्हें नकार दिया तो उनमें से एक युवराज बिहार आकर जंगलराज के युवराज के साथ हाथ हिलाने लगे। इनके साथ जो यूपी में हुआ वही बिहार में होगा।

कोरोना संकट में भारत की उपलब्धियों का उल?लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज जब दुनिया के बड़े-बड़े देश जब इस महामारी से जूझ रहे हैं भारत ने बहुत अच?छे ढंग से इसका

पश्चिमी चंपारण के बगहा में बाबा भूतनाथ कॉलेज की रैली से भाजपा के नौ और जदयू कोटे के वाल्मीकिनगर लोकसभा उपचुनाव के उम्मीदवार व एनडीए कार्यकर्ता जुड़ेंगे। पीएम की रैली के लिए एनडीए के साथ ही पुलिस-प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर रखी है।

मुकाबला किया है। पिछले आठ महीने से गरीब के घर राशन पहुंच रहा है। आज किसी मां को इस बात की चिंता नहीं है कि वह छठ पूजा कैसे मनाएगी। अरे मां तुमने दिल?ली में इस बेटे को बिठाया है तो छठ पूजा की चिंता करनी पड़ेगी। मां तुम छठ पूजा की तैयारी करो, तुम?हारा बेटा भूखा नहीं रहने देगा।पीएम मोदी ने कहा कि जब छठ पूजा में लाखों-लाख माएं गंगा तट पर जुटती है तो उनकी सबसे बड़ी जरूरत होती है साफ पानी। गंगा जी के पानी को साफ करने के प्रयासों का अब असर दिख रहा है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमसे पहले भी गंगा मईया थीं लेकिन जो लोग सत?ता में बैठे थे उनको इनकी ताकत का पता नहीं था। मोदी को इसका इसका पता है।

पीएम मोदी जहां बिहार के चार जिले छपरा, समस्तीपुर, पूर्वी चम्पारण और पश्चिम चम्पारण में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं इन चार सभाओं में दो स्थानों समस्तीपुर और बगहा में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहेंगे।

भाजपा नेताओं के अनुसार एक नवम्बर को पीएम सबसे पहले छपरा में हवाई अड्डा पर जनसभा को संबोधित करेंगे। दूसरी रैली पूर्वी चम्पारण के मोतिहारी में होगी। समस्तीपुर हाउसिंग बोर्ड मैदान में होने वाली तीसरी चुनावी जनसभा में भाजपा के छह, जदयू के 15 प्रत्याशी और एनडीए कार्यकर्ता जुड़ेंगे। वहीं, पश्चिमी चंपारण के बगहा में बाबा भूतनाथ कॉलेज की रैली से भाजपा के नौ और जदयू कोटे के वाल्मीकिनगर लोकसभा उपचुनाव के उम्मीदवार व एनडीए कार्यकर्ता जुड़ेंगे। पीएम की रैली के लिए एनडीए के साथ ही पुलिस-प्रशासन ने भी पूरी तैयारी कर रखी है।

- पीएम के आज होने वाले दौरे से पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने ट्वीट करते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी चूँकि आज बिहार के चुनावी दौरे पर आ रहे है तो बिहारवासियों को आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि वो सकारात्मकता के साथ केवल और केवल बिहार और बिहारवासियों के जीवन व बेहतरी से संबंधित ज्वलंत मुद्दों, समस्याओं और उनके कार्यकाल में हुए निवारण पर अपना मंतव्य रखेंगे।

कोरोनाः 7 माह बाद असम में 2 नवंबर से खुलेंगे स्कूल, होंगे ये खास दिशानिर्देश

नई दिल्ली। कोरोना वायरस रोग (कोविड -19) महामारी के मद्देनजर लॉकडाउन के सात महीने बाद असम में स्कूलों को सोमवार से फिर से खोलने की तैयारी है। मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने स्कूलों को फिर से खोलने के दौरान कोविड -19 दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है।

राज्य सरकार ने कहा कि कक्षा 6 और उससे ऊपर के छात्र 2 नवंबर से स्कूल जाएंगे, लेकिन उनके माता-पिता की सहमति के बाद ही।

ये होंगे जरूरी नियम

1. गृह मंत्रालय के 'अनलॉक 5' दिशानिर्देशों ने 15 अक्टूबर के बाद देश भर में स्कूलों को क्रमबद्ध तरीके से फिर से खोलने की अनुमति दी थी। हालांकि, स्कूल में आना छात्रों के लिए एक स्वैच्छिक है, क्योंकि आवश्यक उपस्थिति इस वर्ष लागू नहीं होगी।

2. शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मुख्यमंत्री द्वारा निर्देश दिया गया है कि वे सुबह जल्दी कक्षाएं शुरू करें, यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्रों के दो समूहों के कक्षा के समय के बीच एक उचित अंतराल हो और शौचालय सैनिटाइज रखे जा सके।

3. कक्षाएं दो बैचों में आयोजित की जाएंगी - सुबह 8:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक - प्रत्येक खंड में 25 से अधिक छात्र नहीं होंगे।

4. समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार शिक्षा विभाग ने निर्णय लिया है कि कक्षा 6, 7, 9 और 12 के छात्रों को प्रत्येक सप्ताह के सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को कक्षा में शिक्षा दी जाएगी, जबकि कक्षा 8, 10 और 11 के छात्र मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को स्कूल आएंगे।

5. परीक्षा केवल कक्षा आठ के लिए आयोजित की जाएगी। कक्षा 10 और 12 के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी।

6. स्नातक कक्षाएं भी 2 नवंबर से शुरू होंगी। वे दो बैचों में आयोजित की जाएंगी - सुबह और दोपहर।

7. प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए, कक्षाएं सप्ताह में दो बार सोमवार और गुरुवार को आयोजित की जाएंगी। तीसरे सेमेस्टर के लोगों के लिए मंगलवार, बुधवार और शुक्रवार को आयोजित की जाएंगी और पांचवें सेमेस्टर के छात्रों के पास हर हफ्ते मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार और शनिवार होंगे।

भारत के कई राज्यों में पांव पसार रहा कट्टरपंथ, फ्रांस के मसले पर हुए विरोध पर सुरक्षा एजेंसियों की नजर

नई दिल्ली। कट्टरपंथ भारत के लिए भी बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। कई राज्यों में कट्टरपंथ के अलग-अलग रूप सामने आए हैं। आतंकी संगठन आईएस की विचारधारा से प्रेरित संगठनों के अलावा जमात सहित कई अन्य कट्टरपंथी संगठन सुरक्षा एजेंसियों के लिए सिरदर्द बन रहे हैं। फ्रांस के मसले पर भारत के कुछ हिस्सों में विरोध को भी सुरक्षा एजेंसियों ने गंभीरता से लिया है। इसके पीछे कौन लोग हैं इसका पता लगाकर कार्रवाई करने की भी तैयारी है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, कट्टरपंथ कई राज्यों में फैल रहा है। भारत मे ज्यादातर पकड़ में आए कट्टरपंथी तत्व ऑनलाइन माध्यमों से विदेश में बैठे आकाओं से जुड़े रहे हैं। केरल,जम्मू कश्मीर,पश्चिम बंगाल, पश्चिमी उत्तरप्रदेश सहित कई जगहों पर आईएस व अलकायदा से प्रेरित जमात, हरकत उल हर्ब आदि अलग-अलग नामों से कट्टरपंथी गतिविधियां संचालित की गई। कटररपंथ के लिए एजेंसियो के राडार पर पीएफआई की गतिविधियां भी लगातार हैं। हालांकि संगठन अपनी संलिप्तता से इनकार करता रहा है, लेकिन एजेंसिया अलग-अलग राज्यों में तथ्य

फ्रांस के मसले पर भारत के कुछ हिस्सों में विरोध को भी सुरक्षा एजेंसियों ने गंभीरता से लिया है। इसके पीछे कौन लोग हैं इसका पता लगाकर कार्रवाई करने की भी तैयारी है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, कट्टरपंथ कई राज्यों में फैल रहा है। भारत मे ज्यादातर पकड़ में आए कट्टरपंथी तत्व ऑनलाइन माध्यमों से विदेश में बैठे आकाओं से जुड़े रहे हैं।

खंगाल रही हैं। सूत्रों ने कहा कट्टरपंथ से निपटने के लिए सुरक्षाबल कई स्तरों पर रणनीति के तहत काम कर रहे हैं। ऑनलाइन माध्यमों पर सतत निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा जमीनी हरकतों पर भी नजर रखी जा रही है। कई जगहों पर मदरसों के जरिये कट्टरपंथ फैलाने की कोशिश पर भी सुरक्षा व खुफिया एजेंसी नजर बनाए हुए है।

भारत ने दिया संदेश, कट्टरपंथ सेंसरशिप का सबसे डरावना रूप

कट्टरपंथ के सभी रूपों के खिलाफ भारत और फ्रांस मिलकर लड़ेंगे। फ्रांस में आतंकी वारदात के बाद भारत ने फ्रांस के सामने स्पष्ट किया है कि कट्टरपंथ सेंसरशिप का सबसे डरावना रूप है और इससे मिलकर लड़ने की जरूरत है। ऑनलाइन कट्टरपंथ के प्रसार पर नकेल के लिए भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे। इसमे सूचनाओं का आदान प्रदान, तकनीकी सहयोग, कट्टरपंथ फैलाने वाले मूल स्रोत की जानकारी एकत्र कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबले की रणनीति शामिल है। ऑनलाइन अपराध के विश्लेषण और खुफिया सूचनाओं को साझा करने में कई अन्य समान विचारधारा के देश सहयोग करेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चाबहार बंदरगाह परियोजना

भारत और अमेरिका के विदेश एवं रक्षा मंत्रियों की हालिया बातचीत का यह नतीजा भी सामने आना एक शुभ संकेत है कि भारतीय सहयोग वाली चाबहार बंदरगाह परियोजना तेजी से आगे बढ़ेगी और उसे लेकर अमेरिकी प्रशासन कोई अड़ंगा नहीं लगाएगा। इसका मतलब है कि आखिरकार अमेरिका को यह समझ आ गया कि व्यापक उद्देश्यों वाली ईरान स्थित यह परियोजना न केवल भारत और अफगानिस्तान, बल्कि खुद उसके हित में है। इस परियोजना के आगे बढ़ने से अफगानिस्तान की पाकिस्तान पर निर्भरता कम करने के साथ वहां चीन के दखल को भी सीमित करने में मदद मिलेगी। दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता के लिए जितना आवश्यक यह है कि पाकिस्तान पर लगाम लगाई जाए, उतना ही यह भी कि इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते असर को कम करने के हरसंभव उपाय किए जाएं। उल्लेखनीय केवल यह नहीं है कि चाबहार बंदरगाह परियोजना के मामले में अमेरिका भारत के दृष्टिकोण से सहमत हुआ, बल्कि यह भी है कि दोनों देश रक्षा-सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर राजी हुए। यह काम एक ऐसे समय हुआ, जब अमेरिका में चुनाव होने जा रहे हैं। इस कारण कई लोगों ने ऐसे सवाल खड़े किए कि जब अमेरिका चुनाव के मुहाने पर है, तब दोनों देशों के बीच विदेश एवं रक्षा मंत्री स्तर की वार्ता का क्या औचित्य? ऐसे सवालों का यही जवाब है कि दोनों देशों के संबंध अब इतने मजबूत हो गए हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला कि अमेरिकी सत्ता की बागडोर किस दल के हाथों में रहती है? विदेश एवं रक्षा मंत्री स्तर की बातचीत के दौरान अमेरिका और भारत के बीच जो अनेक महत्वपूर्ण समझौते हुए, वे भारतीय हितों की पूर्ति करने और साथ ही चीन की ओर से पेश की जा रही चुनौती का जवाब देने में मददगार बनने वाले भी हैं। चीन केवल भारत ही नहीं, एशिया और यहां तक कि पूरी दुनिया के लिए चुनौती बन रहा है। वास्तव में वह विश्व व्यवस्था के लिए खतरा बन गया है। इस खतरे से निपटने के लिए समान सोच वाले देशों के लिए तेजी से आपसी सहयोग बढ़ाना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रासंगिकता खोता जा रहा है। क्या इससे खराब बात और कोई हो सकती है कि चीन के अड़ियल रवैये के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद कोविड-19 महामारी को लेकर कोई गंभीर चर्चा नहीं कर सकी। बदली हुई परिस्थितियों में यह भी जरूरी है कि भारत ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन जैसी संस्थाओं के बजाय क्वॉड को अधिक प्राथमिकता दे। इससे ही उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना कद बढ़ाने में मदद मिलेगी और आज ऐसा करना समय की मांग भी है।

पाक ने कराया था पुलवामा आतंकी हमला

– प्रमोद भार्गव

14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले का सच आखिरकार पाकिस्तान के केंद्रीय मंत्री फवाद चौधरी ने पाक की भरी संसद में उगल दिया। घमंड में इतराते चौधरी ने कहा कि 'पुलवामा हमला प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व में किया गया था। यह पाक की बड़ी कामयाबी थी।' जबकि आर्थिक प्रतिबंधों से बचने के लिए पाकिस्तान की इमरान सरकार इस आतंकी हमले से इनकार करती रही थी। अब इस स्वीकारोक्ति ने जता दिया है कि पाक आतंकवाद को खुला संरक्षण दे रहा है। इस स्वीकारोक्ति के परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र और अन्य मानवाधिकारों के संरक्षक देशों का दायित्व बनता है कि वे अब पाकिस्तान के प्रति कठोर रवैया अपनाते हुए आतंक पर लगाम लगाने के लिए आगे आएं। कश्मीर के पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर 14 फरवरी 2019 को धोखे से हमला किया गया था, जिसमें 44 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। इसके बाद भारत ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक करते हुए पाक सीमा में स्थित कई आतंकी शिविरों पर हमला बोलकर भारतीय सैनिकों की शहादत का बदला लिया। इस शिविर का संचालन वही मसूद अजहर का साला मौलाना यूसुफ कर रहा था, जिसने भारतीय संसद पर हमला बोला था। इस हमले से देश की जनता आग-बबूला थी। परिणामस्वरूप मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम देकर भारतीयों की छाती को ठंडा किया। भारत में आतंक के लंबे दौर में यह पहला मौका था, जब पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकी शिविरों को भारतीय सेना ने ध्वस्त किया था। इस हमले के बाद भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान का लड़ाकू विमान पाक सीमा में गिर गया था और उन्हें पाक सेना ने हिरासत में ले लिया था। इस हमले और अभिनंदन के पकड़ में आने के बाद पाक को अहसास हो रहा था कि भारत इस करतूत का बदला लेगा। इसीलिए पाकिस्तान के सांसद अयाज सादिक ने दावा किया है कि अभिनंदन के सिलसिले में आयोजित बैठक में पाक विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के पैर कांप रहे थे। इस बैठक में इमरान खान भी मौजूद थे। शाह ने कहा था कि 'हमने अभिनंदन को नहीं छोड़ा तो भारत पाकिस्तान पर हमला कर देगा। इस भय के वशीभूत होकर ही एक मार्च 2019 को अभिनंदन को छोड़ दिया गया था। बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश विपक्ष के नेताओं ने कुछ इस तरह से की थी, जिससे भारत की वैश्विक स्तर पर किरकिरी हो। इनमें राहुल गांधी, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल प्रमुख थे। राहुल ने पाकिस्तान को सबसे भरोसेमंद देश बताया तो केजरीवाल और ममता ने सर्जिकल स्ट्राइक में मारे गए आतंकियों की बतौर प्रमाण संख्या पूछी। पुलवामा हमले पर ये लोग पाकिस्तान की भाषा बोल रहे थे। अब ये नेता अपने किए पर देश और जनता के प्रति शर्मिंदगी जताएं। हालांकि नरेंद्र मोदी ने पाक द्वारा सच स्वीकारने के बाद सरदार पटेल की 145वीं जयंती पर गुजरात के केवाड़िया में नेताओं को करारा तमाचा जड़ा है। मोदी ने अपनी वेदना व्यक्त करते हुए पुलवामा हमले पर पहली बार कहा कि 'पाकिस्तान ने अपनी संसद में इस हमले का सच मंजूर कर लिया है। इस घटना में राजनीतिक लाभ तलाशने वाले विपक्षी नेताओं के चेहरे बेनकाब हो गए हैं। फवाद चौधरी ने इस हमले में व्याप्त पाक की भूमिका स्वीकार कर ली है। दो दशक के भीतर यह पहला मौका था, जब पाक की सीमा में घुसकर आतंकियों को ठिकाने लगाया गया था। अन्यथा 15 दिसंबर 2001 को जैशे-मोहम्मद के पांच आतंकियों ने संसद पर हमला बोला था। उस दिन एक सफेद एंबेडसर कार में आए इन आतंकवादियों ने 45 मिनट में लोकतंत्र के इस सबसे बड़े मंदिर को गोलियों से छलनी किया। हमलावरों से मुकाबले में अपने प्राणों की परवाह किए बिना सीआरपीएफ के पांच जवान शहीद हुए। एक महिला सिपाही और दो सुरक्षा गार्ड भी दायित्व की वेदी पर बलिदान कर गए। अन्य 16 जवान घायल हुए। इस हमले का मास्टर माइंड अफजल गुरु था, जिसे बाद में 20 अक्टूबर 2006 को फांसी दे दी गई। इस हमले ने देश को बुरी तरह झकझोरा। 26 नवंबर 2008 को मुंबई के ताज होटल समेत 10 आतंकियों ने चार ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में देशी-विदेशी 166 लोग मारे गए। तीन दिनों तक महानगर आतंकियों का बंधक बना रहा। बमुश्किल सैन्य व सुरक्षाबलों की कार्रवाई ने नौ आतंकियों को मार गिराया और एक नाबालिग अजमल कसाब को जीवित पकड़ा। कसाब को 21 नवंबर 2012 को फांसी दे दी गई। उस समय भी जनता की भावना उग्र आक्रोश के रूप में दिखी, किंतु मनमोहन सिंह की अगुवाई वाली सरकार कोई जवाबी करिश्मा नहीं दिखा पाए। इसी तरह 18 सितंबर 2016 को उरी में स्थित थलसेना के स्थानीय मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले में 18 सैनिक शहीद हुए। हालांकि जवाबी कार्यवाही में चार आतंकियों को तत्काल मार गिराया गया था। नरेंद्र मोदी ने साहस दिखाया और अपने कार्यकाल में 29 सितंबर 2016 को पहली सर्जिकल स्ट्राइक की। थलसेना ने पाक अधिकृत कश्मीर में करीब 20 किमी भीतर घुसकर जैशे-मोहम्मद के कई आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले में जब 44 जवान शहीद हो गए तो देश आगबबूला हो उठा। 20 साल बाद देश पर यह बड़ा आतंकी हमला था। 12 मिराज विमानों ने ग्वालियर और बरेली से उड़ान भरी और बालाकोट, चकोटी व मुजफ्फराबाद में मौजूद जैश के आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया। इसमें 325 आतंकी और 25 से 27 प्रशिक्षु आतंकी मारे गए। इनमें चकोटी एवं मुजफ्फराबाद तो पीओके में हैं, किंतु बालाकोट पाकिस्तान के पख्तूख्वा प्रांत में है। 1971 के बाद यह पहला अवसर है कि भारत ने पाक की जमीन पर जबरदस्त बमबारी की और बिना कोई नुकसान उठाए युद्धक विमान और सैनिक सकुशल लौट आए। पाक को करारा सबक सिखाने की दृष्टि से सेना ने न केवल नियंत्रण रेखा पार की, बल्कि लक्ष्य साधने के लिए पाकिस्तान की मूल सीमा लांघने में भी कोई संकोच नहीं किया। इस प्रतिक्रिया से यह भी पैगाम गया है कि भारत अब लक्ष्य प्राप्ति के लिए कोई भी जोखिम उठाने को तैयार है। इस हमले के बाद भारत के पक्ष में विश्व समुदाय खड़ा हुआ जबकि पाक फिलहाल अलग-थलग पड़ता चला गया। मुस्लिम राष्ट्रों का भी उसे साथ नहीं मिला। जाहिर है, मोदी ने अनेक देशों की यात्राएं करके जो द्विपक्षीय कूटनीतिक संबंध बनाए थे, वे फलीभूत हुए थे। इसीलिए कहीं से भी समर्थन नहीं मिल पाने की वजह से एक तो पाक बौखला रहा है, दूसरा उसका मनोबल भी टूट रहा है। चीन से उसे बड़ी उम्मीद थी लेकिन चीन केवल परस्पर शांति बनाए रखने की अपील करके बच निकला था। इस समय पाक-पोषित आतंकवाद से अनेक मुस्लिम देशों सहित यूरोपीय देश भी पीड़ित हैं। फवाद चौधरी के बयान के बाद भारतीय विपक्ष समेत आतंक पीड़ित देशों को जरूरत है कि वे पाक पोषित आतंकवाद के विरुद्ध आवाज उठाएं, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आतंकवाद के विरुद्ध केंदित हो। पाकिस्तान इस समय आतंकवाद का सबसे बड़ा गढ़ बना हुआ है। वहीं दुनिया में फैले आतंकवाद की सबसे ज्यादा पैरवी करता है। इसी वजह से फ्रांस में हुए आतंकी हमले पर इमरान खान के मुख से निष्ठुर आतंकियों के विरुद्ध एक शब्द नहीं निकला। इसके उलट इस धार्मिक कट्टरता से लड़ने की फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने जो प्रतिबद्धता जताई उसका भी एक तरह से मखौल उड़ाया।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के ट्वीट

चुप

पुलवामा की घटना के बाद ये लोग तरह तरह की बातें कर रहे थे।अब पाकिस्तान की असेंबली में खड़े होकर वहाँ का मंत्री कह रहा है कि पुलवामा की घटना वहाँ की सरकार की शह पर हुई है। मैं राहुल गांधीजी से पूछना चाहता हूँ कि वे अब क्यों नहीं बोलते? वे चुप क्यों है?

-- राजनाथ सिंह

ज्ञान गंगा

सत्य मार्ग

श्रीराम शर्मा आचार्य

निसंदेह सत्य का मार्ग उतना कठिन नहीं है। जितना दिखता है। जो वस्तु व्यवहार में नहीं आती, जिससे हम दूर रहते हैं, वह अजनबी, विचित्र तथा कष्टसाध्य लगती है, पर जब वह समीप आती है, तो वह स्वाभाविक एवं सरल बन जाती है। चूंकि हमारे जीवन में झूठ बोलने की आदत ने गहराई तक अपनी जड़ जमा ली है। बात-बात में झूठ बोलते हैं। बच्चों की हंसी-जिंदगी में, शेखी बघारने के लिए, लोगों को आश्चर्य में डालने के लिए अक्सर अतिरंजित बात कही जाती है। इनसे कुछ विशेष लाभ होता हो, या कोई महत्वपूर्ण स्वार्थ सधता हो, सो बात भी नहीं है, पर यह सब आदत में सम्मिलित हो गया है, इसलिए अनजाने ही हमारे मुंह से झूठ निकलता रहता है। वेदों में स्थान-स्थान पर सत्य की महत्ता को समझाया गया है और सत्यवादी तथा सत्यनिष्ठ बनने के लिए प्रेरणा दी गई है। सत्य का मार्ग चलने में सरल है। यह मार्ग संसार सागर से तरने के लिए बनाया गया है। स्वार्थ के लिए, आर्थिक लाभ के लिए, व्यापार में झूठ बोलना तो आज उचित ही नहीं, एक आवश्यक बात भी समझी जाने लगी है। ग्राहक को भाव बताने में अक्सर दुकानदार झूठ बोलते हैं। घटिया को बढ़िया बताते हैं, चीज के दोषों को छिपाते हैं और गुणों को अतिरंजित करके बताते हैं, जिनसे भोला ग्राहक धोखे में आकर सस्ती और घटिया चीज को बढिया समझ कर अधिक पैसे में खरीद ले। दुकानदार की इस आमप्रवृत्ति को, ग्राहक भी समझने लगे हैं और वे मन ही मन दुकानदार को झूठा, ठग तथा अविश्वस्त मानते हैं। उसकी बात पर जरा भी विश्वास नहीं करते। अपनी निज की समझ का उपयोग करते हैं, दुकानदार की सलाह को ठुकरा देते हैं, दस जगह घूमकर भाव-ताव मालूम करते हैं। चीजों का मुकाबला करते हैं, तब अंत में वस्तु को खरीदते हैं। यह व्यापारी के लिए एक बड़ी लज्जा की बात है कि उसे आमतौर से झूठा और बेईमान समझा जाय, उसकी प्रत्येक बात को अविश्वास और संदेह की दृष्टि से देखा जाए। जिसे अविश्वस्त समझा जाए, जिनकी नीयत पर संदेह किया जाए, जिसे ठग, धोखेबाज और बहकाने वाला माना जाए, वह नि-संदेह अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा खो चुका। इतनी कीमती वस्तु खोकर यदि किसी ने धन कमा भी लिया, तो इसमें न कोई गौरव की बात है और न प्रसन्नता की।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

वे अब अफीम नहीं, औषधि उगाते हैं

राजेश किशाम, मणिपुरी युवा उद्यमी

देश के सुदूर पूरब में चार जिले बसे हैं- सेनापति, उखरुल, कांगपोक्पी और थोबल। कुदरत ने मणिपुर के इन जिलों को अपनी नेमतों से नवाजने में तो कोई कमी नहीं रखी, मगर आदिम समाज के काइंयेपन के आगे उसका बस भी कहां चलता है? इन जिलों के बाशिंदों, खासकर किसानों के हिस्से देश के दूसरे इलाकों के भूमिपुत्रों की तरह शोषण, बेबसी और बदहाली ही ज्यादा आई। व्यापारी उन्हें अफीम की खेती के लिए ललचाते रहे, और सरकारी मुलाजिम उनके खेतों में आग लगाते रहे। भारतीय भूगोल के उसी हिस्से में राजेश किशाम ने 2 फरवरी, 1984 को इस दुनिया में अपनी आंखें खोलीं। उनके दादा एक कारोबारी थे, मगर किन्हीं वजहों से दिवालिया हो गए, मजबूरन राजेश के माता-पिता को सरकारी मुलाजमत करनी पड़ी। जाहिर है, उनके परिवार में आर्थिक तंगी उतनी नहीं थी, जितनी आस-पड़ोस या कुनबे के लोगों से वह चिपकी हुई थी। बहरहाल, 2002 में एसआरडी एकेडमी, मणिपुर से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास कर राजेश पुणे आ गए थे। मगर बचपन से ही दादा की तरह कारोबारी बनने की ख्वाहिश पलती आ रही थी। पुणे यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन के बाद कुछ अपनी माटी से लगाव के कारण, तो कुछ परिजनों की सलाह पर वह इंफाल लौट आए। वह आ तो गए थे, मगर कुछ दिन काफी ऊहापोह में रहे कि क्या करें, क्या न करें! कई छोटे-मोटे काम किए भी, मगर सपनों की ओर ले जाने वाला कोई मुफीद रास्ता नहीं मिल पा रहा था। आखिरकार, ब्रिटेन में रह रहे एक दोस्त ने राजेश को 'डाटा डिजिटाइजेशन' का कुछ काम दिया। मगर वह बीपीओ उन्हें जल्द बंद करना पड़ा, क्योंकि मणिपुर के हालात इसके लायक नहीं थे। बिजली लगातार आती-जाती रहती, बल्कि कभी-कभी तो दिन में महज चार-पांच घंटे टिक पाती थी। इस नाकामी ने उन्हें एक गहरा सबक दिया कि यहां पर रहते हुए किसी ऐसे काम में ही सफलता अर्जित की जा सकती है, जिसमें संसाधन स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हों। उन्होंने संभावनाएं टटोलनी शुरू की। अंततः वह इत्मीनान हुए कि मणिपुर की भूमि उपजाऊ है और कृषि से जुड़े किसी काम में ही उन्हें हाथ आजमाना चाहिए। उन्होंने अपनी रिसर्च शुरू कर दी। उन्हें एक ऐसे उत्पाद की तलाश थी, जिसे एक बड़े उद्यम का रूप दिया जा सके। इसी क्रम में उनकी मुलाकात वरिष्ठ एरोमैटिक विज्ञानी डॉ एम अहमद से हुई। अहमद साहब राजेश के जोश और प्रतिबद्धता से खासे प्रभावित हुए। उन्होंने मणिपुर की मिट्टी में लेमनग्रास की एक प्रजाति 'सिंबोपोगान सिट्रेटस'(सीसी) की बेहतर पैदावार और बाजार में इसके तेल की मांग के बारे में तफसील से बताया। राजेश की तलाश को अब मंजिल मिल गई थी। 2007 में उन्होंने इंडोनेशिया के एक दोस्त से उन्नत किस्म की सीसी की 10,000 डालियां मंगाईं और इंफाल से 20 किलोमीटर दूर लेइमाखोंग स्थित अपने एक एकड़ के प्लॉट में उन्हें लगा दिया। डॉ अहमद के ही दिशा-निर्देश में उन्होंने एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की और एसबीआई से कर्ज के लिए आवेदन किया। छह महीने बीत गए, पौधों में फूल आने लगे, मगर बैंक से कर्ज न मिला। डॉ अहमद ने कहा कि फूल के बाद इनकी कोई उपयोगिता नहीं रही, इसलिए इन्हें काटकर जलाना पड़ा। राजेश ने वह फसल ही नहीं जलाई, साथ ही कई मनसूबे भी जले। क्योंकि इसी दौरान ल्यूकीमिया की मरीज दत्तक पुत्री के इलाज में उनके माता-पिता को अपना सब कुछ बेचना पड़ा था, हालांकि फिर भी वे उन्हें नहीं बचा सके। राजेश को दोहरा भावनात्मक आघात लगा था। बहन भी नहीं रहीं, सपने भी भस्म हो गए थे। दूसरी बार भी पौधों में फूल आने का वक्त आ गया था, मगर बैंक का अनुमोदन नहीं आया। बेचैन राजेश ने इसकी अन्य उपयोगिताओं के बारे में अध्ययन करना शुरू किया, तो पता चला कि ब्राजील में इसके पेय से बुखार ठीक हुआ है और वहां पर इसे 'फीवर ग्रास' कहा जाता है। नई उम्मीद दहलीज पर हाथ थामने को आ खड़ी हुई। 2009 का साल था। 'सीसी टी' के पहले उपभोक्ता राजेश के माता-पिता बने। पाया गया कि इससे उनकी कब्ज की शिकायत काफी हद तक दूर हो गई थी। जैकपॉट हिट हो गया था। राजेश नई दिल्ली के फिक्की रिसर्च ऐंड एनालिसिस सेंटर अपने वॉलंटीयर्स के साथ परीक्षण के लिए आ सकें, इसके लिए मां ने बैंक से कर्ज लिया। तमाम परीक्षाओं को पास करके और पत्नी के गहने बेचकर जुटाई गई पूंजी से राजेश ने यह कैफिन मुक्त चाय साल 2011 में इंफाल में लॉन्च की। पिछले नौ साल में एक एकड़ से 350 एकड़ में फैल चुकी इसकी खेती ने राजेश को ही करोड़पति नहीं बनाया, उन चार जिलों के सैकड़ों किसानों की जिंदगी भी बदल दी है। वे अब अफीम नहीं, लेमनग्रास उगाते हैं। कम से कम 2000 लोगों की आजीविका की समस्या स्थाई रूप से हल हो चुकी है। सालाना आठ करोड़ की कमाई कर रहे राजेश किशाम कहते हैं, 'यह तो एक लंबे सफर की शुरुआत है।' प्रस्तुतिः चंद्रकांत सिंह

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

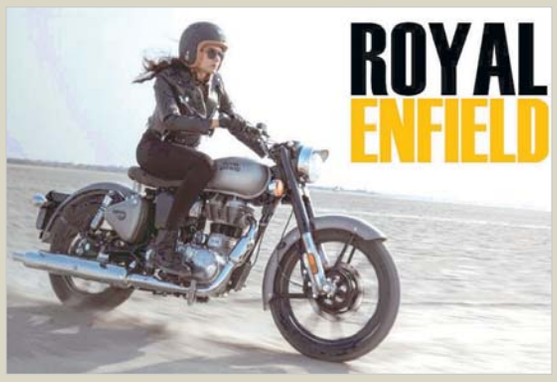

अक्टूबर में रॉयल एनफील्ड की बिक्री सात प्रतिशत कम हुई

नयी दिल्ली. बाइक निर्माता कंपनी रॉयल एनफील्ड ने शनिवार को कहा कि अक्टूबर महीने में उसकी बिक्री सात प्रतिशत कम होकर 66,891 इकाइयों पर आ गयी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने साल भर पहले समान महीने में 71,964 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी की घरेलू बिक्री इस दौरान साल भर पहले के 67,538 बाइक से सात प्रतिशत कम होकर 62,858 इकाइयों पर आ गयी। इसी तरह कंपनी का निर्यात साल भर पहले के 4,426 से नौ प्रतिशत कम होकर 4,033 इकाइयों पर आ गयी।

होंडा कार्स की बिक्री अक्टूबर में आठ प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली, होंडा कार्स इंडिया की घरेलू बिक्री अक्टूबर में 8.3 प्रतिशत बढ़कर 10,836 वाहन रही। पिछले साल इसी माह में कंपनी ने 10,010 कारों की बिक्री की थी। कंपनी ने रविवार को एक बयान में कहा कि अक्टूबर में उसका निर्यात 84 इकाई रहा। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और निदेशक (विपणन एवं बिक्री) राजेश गोयल ने कहा, '' हमने बाजार धारणा के अनुरूप सही बिक्री की है। अक्टूबर की बिक्री हमारी योजनाओं के मुताबिक है।''

सेबी ने शेयर विकल्प सौदों को वापस लेने वाली इकाइयों के लिए निपटान योजना 31 दिसंबर तक बढ़ाई

नयी दिल्ली, कोविड-19 की वजह से पैदा हुई अड़चनों के मद्देनजर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बीएसई में 2014 और 2015 में शेयर विकल्पों में सौदे को पलटने या वापस लेने वाली इकाइयों के लिए एकबारगी निपटान योजना को 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। नियामक ने यह निपटान योजना जुलाई में पेश की थी। यह योजना एक अगस्त, 2020 को शुरू हुई थी और 31 अक्टूबर, 2020 को समाप्त हो रही थी। सेबी ने शनिवार को जारी सार्वजनिक नोटिस में कहा कि महामारी की वजह से पैदा हुई दिक्कतों के चलते नियामक को इस योजना को आगे बढ़ाने को लेकर कई ज्ञापन मिले हैं। इनपर विचार के बाद सक्षम प्राधिकरण ने इस योजना को 31 दिसंबर, 2020 तक बढ़ाने का फैसला किया है। सेबी द्वारा जुलाई में जारी नोटिस के अनुसार जिन इकाइयों ने एकबारगी निपटान योजना का लाभ नहीं उठाया है, योजना की अवधि समाप्त होने के बाद उनपर कार्रवाई की जा सकती है। सेबी ने कहा कि जो इकाइयां एकबारगी निपटान योजना के तहत आवेदन करना चाहती है, उन्हें एक निश्चित फॉर्मेट में आवेदन शुल्क के साथ आवेदन करना होगा। सेबी ने कहा कि जिन इकाइयों ने एक अप्रैल, 2014 से 30 सितंबर, 2015 के दौरन शेयर विकल्पों में सौदे को पलटा है या जिनके खिलाफ किसी तरह का मामला लंबित है, इस निपटान योजना का लाभ उठा सकती हैं।

कोविड-19 से निपटने की भारत की रणनीति सफल, अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटेगी : फिक्की

नयी दिल्ली

उद्योग मंडल फिक्की ने कहा है कि कोविड-19 से निपटने की भारत की रणनीति सही साबित हुई है और अर्थव्यवस्था जल्द पटरी पर लौटेगी और मजबूत होकर उभरेगी। फिक्की की अध्यक्ष संगीता रेड्टी ने कहा कि अब कड़े कदम उठाने और वृद्धि के एजेंडा को आगे बढ़ाने का समय आ गया है। रेड्टी ने कहा, ''दुनियाभर की सरकारों में जीवन और आजीविका के संरक्षण के बीच संतुलन बैठाने को लेकर असमंजस रहा। भारत ने सख्त लॉकडाउन लगाया और स्वास्थ्य ढांचे को आगे बढ़ाते हुए मानव जीवन को बचाने पर ध्यान केंद्रित किया। इस रणनीति के सही नतीजे सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर इलाज, चिकित्सा ढांचे के सृजन, पीपीई की आपूर्ति बढ़ाने पर ध्यान दिया गया। इससे हमारे यहां मृत्यु दर को नियंत्रित किया जा सका। रेड्डी ने कहा, ''अब आजीविका के मोर्चे पर साहसी कार्रवाई का समय है। हालिया मौद्रिक उपायों से यह सुनिश्चित हुआ है कि सरकार और नियामक अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए हर प्रयास करेंगे।

अब हमें वृद्धि के एजेंडा को तेजी से आगे बढ़ाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था में सुधार के शुरुआती संकेत दिखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि सितंबर में विनिर्माण और सेवा पीएमआई सुधरकर क्रमशः 56.8 और 49.8 पर पहुंच गए हैं। इसके अलावा ई-वे बिल निकालने की संख्या भी बढ़ी है। प्रमुख जिंसों की माल ढुलाई में सुधार हुआ है, निर्यात में सकारात्मक वृद्धि दर्ज हुई है और सितंबर में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का संग्रह काफी हद तक कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंच गया है।

फिक्की की अध्यक्ष ने कहा कि भारत की आर्थिक ताकत की बुनियाद और जुझारू क्षमता कायम है। रेड्डी ने कहा, ''सरकार की प्रगतिशील नीतियां, प्रमुख बुनियादी ढांचा विकास योजनाएं और बड़ा उपभोक्ता बाजार सभी वृद्धि की गुंजाइश का संकेत देते हैं।''

'बैंक ऑफ बड़ौदा' ने घटाई ब्याज दरें, अब सस्ती दरों पर मिलेगा लोन

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के तीसरे सबसे बड़े बैंक 'बैंक ऑफ बड़ौदा' (बीओबी) ने रेपो दर से जुड़ी ऋण ब्याज दर (बीआरएलएलआर) को सात प्रतिशत से घटाकर 6.85 प्रतिशत कर दिया। बैंक की यह नयी दरें एक नवंबर 2020 से लागू होंगी। बैंक के महाप्रबंधक (रेहन एवं अन्य खुदरा ऋण कारोबार) हर्षद कुमार टी. सोलंकी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इससे आवास ऋण, रेहन ऋण, कार ऋण, शिक्षा ऋण, व्यक्तिगत ऋण इत्यादि के ग्राहकों को लाभ होगा। इससे पहले त्यौहारी मौसम को देखते हुए बैंक ने आवास और कार ऋण पर छूट की पेशकश की थी। बीआरएलएलआर में कटौती के बाद आवास ऋण पर ब्याज 6.85 प्रतिशत और कार ऋण पर 7.10 प्रतिशत, रेहन वाले अन्य ऋण पर 8.05 प्रतिशत और शिक्षा ऋण पर 6.85 प्रतिशत से शुरू होगा।

अक्टूबर में हुंदै की कुल बिक्री आठ प्रतिशत बढ़ी, घरेलू बिक्री उच्च स्तर पर

नयी दिल्ली, हुंदै मोटर इंडिया की कुल बिक्री अक्टूबर महीने में 8.2 प्रतिशत बढ़कर 68,835 इकाइयों पर पहुंच गयी। कंपनी ने रविवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि साल भर पहले उसने 63,610 वाहनों की बिक्री की थी। कंपनी ने अक्टूबर 2020 में किसी भी महीने की सर्वाधिक घरेलू बिक्री का भी रिकॉर्ड बनाया है। इस दौरान कंपनी की घरेलू बिक्री साल भर पहले की 50,010 इकाइयों की तुलना में 13.2 प्रतिशत बढ़कर 56,605 इकाइयों पर पहुंच गयी। इससे पहले कंपनी की सर्वाधिक मासिक बिक्री अक्टूबर 2018 की 52,001 इकाइयां थी। कंपनी के निदेशक (बिक्री, विपणन एवं सेवा) तरुण गर्ग ने कहा, ''अक्टूबर महीने की बिक्री ने पूरी कारोबारी धारणा के लिये सकारात्मक माहौल तैयार किया है। कंपनी अर्थव्यवस्था, समुदाय एवं सेवा की टिकाऊ वृद्धि में ठोस योगदान देती रहेगी।'' कंपनी ने बताया कि उसका निर्यात अक्टूबर में साल भर पहले के 13,600 वाहनों से 10.1 प्रतिशत कम होकर 12,230 वाहनों पर आ गया।

टैक्स कलेक्शन में तेजी के संकेत, अर्थव्यवस्था सुधार के पथ पर: वित्त सचिव

नई दिल्ली।

अर्थव्यवस्था में सुधार जारी रहने के संकेतों के बीच वित्त सचिव अजय भूषण पाण्डेय ने कहा कि सरकार के कर संग्रह में तेजी आई है और सरकार द्वारा कोविड-19 के मद्देनजर दिए गए लक्ष्यित प्रोत्साहनों के चलते आर्थिक संकेतकों में सुधार जारी है।

जीएसटी संग्रह में लगातार दूसरे महीने तेजी

पाण्डेय ने एक साक्षात्कार में बताया कि वस्तुओं के परिवहन के लिए जरूरी ई-वे बिल को निकालने की संख्या कोविड से पहले के स्तर पर आ गई है और और ऑनलाइन भुगतान तेजी से बढ़े हैं। वस्तुओं की खपत या सेवा दिए जाने पर लिए जाने वाले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रह में लगातार दूसरे महीने तेजी आई है। पाण्डेय ने कहा, '(कर संग्रह) के रुझानों से पता चलता है कि पिछले कुछ महीनों से इसमें गिरावट आई है, लेकिन यह न केवल सुधार के रास्ते पर है, बल्कि इसमें तेजी भी आ रही है। जीएसटी संग्रह सितंबर के महीने में एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले चार प्रतिशत अधिक था। उन्होंने कहा अक्टूबर के महीने में इसमें पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 10 प्रतिशत की तेजी हुई, और संग्रह 1.05 लाख रुपये से अधिक रहा।

अक्टूबर में ई-वे बिल निकालने की संख्या 21 प्रतिशत बढ़ी

पाण्डेय ने कहा कि 50,000 रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुओं के परिवहन के लिए जरूरी ई-वे बिल को निकालने की संख्या अक्टूबर में 21 प्रतिशत बढ़ी, जबकि ई-चालान की संख्या 29 लाख आईआरएन (इनवॉइस रेफरेंस नंबर) से अधिक हो गई। पाण्डेय, जो राजस्व सचिव भी हैं, ने कहा, 'ई-वे बिल और ई-चालान के साथ ही जीएसटी संग्रह के आंकड़े मिलकर संकेत देते हैं कि अर्थव्यवस्था न केवल सुधार के रास्ते पर है, बल्कि वृद्धि के पथ पर तेजी से लौट रही है।' चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 22 प्रतिशत घटकर 4.95 लाख करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कॉरपोरेट कर संग्रह 26 प्रतिशत घटकर 2.65 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि व्यक्तिगत आयकर संग्रह 16 प्रतिशत घटकर 2.34 लाख करोड़ रुपये रह गया।

दो लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी

पाण्डेय ने कहा कि पिछले सात महीनों में कुल दो लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया, जबकि उस समय कर संग्रह कम था। उन्होंने कहा कि कर विभाग करदाताओं के उपभोग पैटर्न, बैंक स्टेटमेंट, म्यूचुअल फंड और शेयर लेनदेन, संपत्ति लेनदेन, आयात, निर्यात और विदेश से धनप्रेषण संबंधी जानकारी जमा कर रहा है। उन्होंने कहा अगर हमारे कर संग्रह प्रणाली में सुधार नहीं होता तो महामारी का आर्थिक प्रभाव कहीं अधिक होता।

नएसडीसी, ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट जल्द जारी करेंगे 'स्किल इंडिया इंपैक्ट बांड'

नयी दिल्ली, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) जल्द ही ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट के साथ साझेदारी में 'स्किल इंडिया इंपैक्ट बांड' जारी करेगी। यह अपनी तरह का पहला नवोन्मेषी बांड होगा जो कौशल विकास में निजी क्षेत्र को निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। एनएसडीसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीष कुमार ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि इस बांड के माध्यम से एनएसडीसी कौशल प्रशिक्षण क्षेत्र में प्रभाव पैदा करने वाले निवेशकों और निजी क्षेत्र को उत्पादन उन्मुख निवेशक के तौर पर प्रवेश दे पाएगी। यह बांड बड़े पैमाने पर नौकरी कर रहे लोगों विशेषकर महिलाओं के कौशल विकास पर में मदद करेगा। एनएसडीसी इसके लिए सह-जोखिम निवेशक के तौर पर ब्रिटिश एशियन ट्रस्ट के साथ साझेदारी करेगा। चिल्ड्रंस इंवेस्टमेंट फंड फाउंडेशन और माइकल एंड सुसैन डेल फाउंडेशन भी इस पहल में जुड़ रहे हैं। कुमार ने इस बांड को वित्तीय निवेश का एक नवोन्मेषी विकल्प करार दिया जो प्रदर्शन के बारे में एक प्रतिज्ञापत्र की तरह होगा। इसके तहत निवेश राशि को लोगों के कौशल विकास पर खर्च किया जाएगा। यह कौशल विकास इसमें शामिल निजी निवेशकों द्वारा तय किए गए मानकों के आधार पर किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आठ नवंबर को करेंगे घोघा-हजीरा 'रोपैक्स' फेरी सेवा का उद्घाटन

अहमदाबाद:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भावनगर के घोघा और सूरत के हजीरा के बीच 'रोपैक्स' फेरी सेवाओं का आठ नवंबर को लोकार्पण करेंगे। घोघा और हजीरा के बीच सड़क मार्ग से दूरी 370 किलोमीटर है। फेरी सेवा के जरिए लोग समुद्र मार्ग का इस्तेमाल कर सकेंगे और दोनों स्थानों के बीच दूरी मात्र 60 किलोमीटर रह जाएगी। केंद्रीय जहाजरानी मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि मोदी इस सेवा को आठ नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाएंगे, जिसके बाद सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में स्थित दोनों स्थलों के बीच यात्रियों और भारी वाहनों की आवाजाही शुरू होगी। मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री देश के अन्य हिस्सों में भी इसी प्रकार की सेवाओं को हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा, ''हजीरा में एक टर्मिनल का निर्माण किया गया है और सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। यह सेवा आठ नवंबर को आरंभ होगी और टिकटों की बुकिंग कल (सोमवार) से आरंभ हो जाएगी।'' रोपैक्स फेरी वाहन से एक चक्कर में 550 तक यात्रियों, 30 ट्रकों, सात छोटे ट्रकों और 100 दोपहिया वाहनों को ले जाया जा सकेगा। यह सेवा हर मौसम में और ऊंची लहरों के बीच भी चालू रहेगी। मांडविया ने कहा, ''सौराष्ट्र के तट में अपार संभावनाएं हैं। सीमेंट, इस्पात और पोत तोड़ने के कई उद्योग हैं जिनके दक्षिण भारत में बाजार हैं। समुद्र मार्ग के जरिए दूरी और समय को कम किया जा सकता है और इस प्रकार की सेवा औद्योगिक विकास में बड़ी भूमिका निभाएगी।'' उन्होंने कहा, ''हमने 7,500 किलोमीटर लंबे भारतीय समुद्री तट के पास कई स्थलों को चिह्नित किया है और वहां संभावनाओं का अध्ययन किया है तथा हम देशभर में कई स्थलों पर इस प्रकार की सेवा शुरू करने जा रहे हैं।'' मांडविया ने कहा, ''मोदी जी आठ नवंबर को कोच्चि (केरल में) में इसी प्रकार की सेवाएं शुरू करेंगे। असम में ब्रह्मपुत्र नदी और पूर्वोत्तर को कोलकाता से जोड़ने वाली सेवाएं शुरू की जाएंगी। बराक नदी पर असम में करीमगंज को बांग्लादेश से जोड़ने वाली सेवा आरंभ की जाएगी।'' गुजरात में रोपैक्स सेवा से पहले मोदी ने अक्टूबर 2017 में भरूच जिले के दाहेज और घोघा के बीच रो-रो फेरी सेवा का उद्घाटन किया था, जिसे पिछले साल निलंबित कर दिया गया था। मांडविया ने कहा कि रो-रो सेवा नर्मदा नदी में बाढ़ के कारण गाद की वजह से प्रभावित हुई थी और अब घोघा एवं दाहेज के बीच छोटे पोत ही चलाए जाएंगे।

अक्टूबर में एमजी मोटर की बिक्री छह प्रतिशत बढ़कर 3,750 इकाई पर

नयी दिल्ली एमजी मोटर इंडिया की खुदरा बिक्री अक्टूबर में छह प्रतिशत बढ़कर 3,750 इकाई पर पहुंच गई। एक साल पहले समान महीने में कंपनी ने 3,536 वाहन बेचे थे। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उसकी एसयूवी हेक्टर की बिक्री का आंकड़ा अक्टूबर में 3,625 इकाई पर पहुंच गया। यह इस वाहन की मासिक बिक्री का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। सितंबर, 2020 में हेक्टर की बिक्री 2,410 इकाई रही थी। इस तरह सितंबर की तुलना में अक्टूबर में हेक्टर की बिक्री में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने कहा कि उसकी हाल में पेश प्रीमियम एसयूवी ग्लॉस्टर को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। कंपनी को इस वाहन के लिए अब तक 2,000 बुकिंग मिल चुकी हैं। एमजी मोटर इंडिया के निदेशक (बिक्री) राकेश सिदाना ने कहा, ''हमें वृद्धि का यह रुख दिवाली की वजह से नवंबर में भी जारी रहने की उम्मीद है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हम आपूर्ति बढ़ा रहे हैं।''

कोल्हापुरी चप्पलों के कारीगरों को प्रशिक्षण देगा FDDI, बिक्री के साथ बढ़ेगी कमाई

नई दिल्ली-

वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाले फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई) कोल्हापुरी चप्पलों का विनिर्माण करने वाले कारीगरों के कौशल का विकास करेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि कोल्हापुरी चप्पल के कारीगरों को प्रशिक्षण से उन्हें खरीदारों से जोड़ने में मदद मिलेगी और इससे घरेलू और वैश्विक बाजारों में इसकी बिक्री बढ़ेगी।

घरेलू और वैश्विक बाजारों में भारी मांग

एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि कोल्हापुरी चप्पल कारीगरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम अगले महीने से शुरू होने की उम्मीद हैं सिन्हा ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'इस उत्पाद की घरेलू और वैश्विक बाजारों में भारी मांग है। कारीगरों को बेहतर डिजाइनिंग तथा अच्छे रंग के इस्तेमाल के बारे में प्रशिक्षित करने पर वे अपने उत्पादों का अधिक प्रभावी तरीके से विपणन कर सकेंगे।'

कोल्हापुरी चप्पल को मिला GI टैग

उन्होंने कहा कि इस कारोबार से जुड़े युवाओं को प्रोत्साहन दिए जाने की जरूरत है। सिन्हा ने कहा मैं इस पर प्राथमिकता से ध्यान दे रहा हूं। हम कारीगरों को एफडीडीआई के विद्यार्थियों तथा फैकल्टी के साथ बातचीत के लिए भी बुलाएंगे। कोल्हापुरी चप्पलों को प्रोत्साहन के लिए सरकार ने इसे भौगोलिक संकेतक (जीआई) का दर्जा दिया हुआ है। इन चप्पलों का विनिर्माण मुख्य रूप से महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सोलापुर, सांगली और सतारा तथा कर्नाटक के धारवाड़, बेलगाम, बागलकोट और बीजापुर में होता है।

टिकट खरीदकर भी ट्रेन में सफर नहीं कर पाए सवा करोड़ यात्री, खत्म नहीं हुआ इंतजार

नई दिल्ली:

प्रतीक्षा सूची में नाम रह जाने के चलते 2019-20 में एक करोड़ से अधिक यात्री ट्रेनों से सफर नहीं कर सकें। सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत दायर एक अर्जी के जरिए यह जानकारी सामने आई है, जिससे यह संकेत भी मिलता है कि देश में व्यस्त रेल मार्गों पर ट्रेनों की कमी है। अर्जी के जवाब में यह बताया गया है कि 2019-20 में कुल 84,61,204 ''पैसंजर नेम रिकार्ड%% (पीएनआर) प्रतीक्षा सूची में रह जाने के चलते खुद-ब-खुद रद्द हो गए। इन पीएनआर के जरिए सवा करोड़ से अधिक यात्रियों के यात्रा करने का कार्यक्रम था। रेल मंत्रालय ने निजी क्षेत्र की ट्रेनें पेश कर पहली बार ट्रेन यात्रा के लिए प्रतीक्षा सूची को घटाने की दिशा में कदम उठाया है। रेलवे ने अधिक यात्री वाले मार्गों पर विशेष 'क्लोन ट्रेनें% भी पेश की हैं। इन ट्रेनों का सीमित संख्या में ही ठहराव /हाल्ट है। इनमें मुख्य रूप से तृतीय श्रेणी के एसी डिब्बे शामिल हैं जो उसी मार्ग पर पहले से संचालित हो रहीं 'स्पेशल ट्रेनों% से पहले परिचालित होंगी। इन 'क्लोन ट्रेनों% की अग्रिम बुकिंग अवधि 10 दिनों की है। पीएनआर के रद्द हो जाने के बाद टिकट बुकिंग की रकम यात्रियों को वापस मिल जाती है।

मध्य प्रदेश के आरटीआई कार्यकर्ता चंद्र शेखर गौड़ द्वारा दायर आरटीआई अर्जी के जवाब में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों में करीब पांच करोड़ पीएनआर प्रतीक्षा सूची में रह जाने के कारण स्वतः ही रद्द हो गए। वर्ष 2014-15 में, रद्द हुए पीएनआर की संख्या 1,13,17,481 थी, 2015-2016 में 81,05,022, 2016-2017 में 72,13,131, इसके बाद के साल में 73,02,042 और 2018-2019 में यह संख्या 68,97,922 थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2019-20 में प्रतीक्षा सूची में 8.9 प्रतिशत की औसत कमी आई। वहीं, व्यस्त अवधि के दौरान 13.3 प्रतिशत यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल सका।

साधारण बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय सितंबर में सात प्रतिशत घटकर 22,775 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली,

साधारण बीमा या गैर-जीवन बीमा कंपनियों की सकल प्रीमियम आय सितंबर में 5.55 प्रतिशत घटकर 22,774.60 करोड़ रुपये रह गई है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। 34 साधारण बीमा कंपनियों की पिछले वित्त वर्ष में के समान महीने में प्रीमियम आय 24,111.78 करोड़ रुपये रही थी। इरडा के आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष के सितंबर माह में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों का सकल प्रीमियम संग्रह 6.08 प्रतिशत घटकर 10,959.88 करोड़ रुपये रह गया, जो सितंबर, 2019 में 11,669.43 करोड़ रुपये था। निजी क्षेत्र की साधारण बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय 5.04 प्रतिशत घटकर 11,814.71 करोड़ रुपये रह गई, जो सितंबर, 2019 में 12,442.35 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, साधारण बीमा कंपनियों में सात एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों की प्रीमियम आय सितंबर में 38.04 प्रतिशत के उछाल के साथ 1,543.62 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो एक साल पहले समान महीने में 1,118.24 करोड़ रुपये रही थी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में 34 साधारण बीमा कंपनियों का प्रीमियम संग्रह 1.37 प्रतिशत बढ़कर 96,831.55 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 95,526.89 करोड़ रुपये रहा था। अप्रैल-सितंबर में सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों का प्रीमियम संग्रह 0.86 प्रतिशत बढ़कर 43,347.49 करोड़ रुपये रहा।

निजी क्षेत्र की कंपनियों का प्रीमियम संग्रह 1.78 प्रतिशत बढ़कर 53,484.06 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों का प्रीमियम संग्रह अप्रैल-सितंबर में 28.10 प्रतिशत बढ़कर 7,812.39 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एसकेएफ इंडिया को वाहन कलपुर्जा बाजार में ज्यादा हिस्सेदारी हासिल करने की उम्मीद

मुंबई,

कलपुर्जा कंपनी एसकेएफ इंडिया को बाजार में ज्यादा हिस्सेदारी हासिल होने की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक मनीष भटनागर ने एक साक्षात्कार में यह बात कही। एसकेएफ इंडिया देश की प्रमुख बेयरिंग विनिर्माता कंपनी है। यह स्वीडन की वाहन कलपुर्जा कंपनी एसकेएफ की भारतीय इकाई है। एसकेएफ इंडिया के प्रबंध निदेशक मनीष भटनागर ने पीटीआई-भाषा से कहा, '' हम उद्योग किस तरह से आगे बढ़ रहा है इस बारे में विचार किए बिना ही अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान लगा रहे हैं। भले कलपुर्जा उद्योग तेजी से वृद्धि करे या धीमे चले मेरा अनुमान है कि एसकेएफ कलपुर्जा उद्योग की वृद्धि दर से अधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल करेगा।'' उन्होंने कहा कि वाहन क्षेत्र में हम उम्मीद लगाते हैं कि दोपहिया वाहन या ट्रैक्टर का बाजार बढ़े। जबकि औद्योगिक क्षेत्र में हमारा लक्ष्य विभिन्न क्षेत्रों में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर है। भटनागर ने कहा कि कंपनी को इस्पात, सीमेंट, निर्माण उपकरण के साथ-साथ कपड़ा, खानपान और बेवरेजेस क्षेत्र में वृद्धि करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने फिर से उन क्षेत्रों की ओर ध्यान देना शुरू किया है जहां हमें ग्राहकों का पीछा करना है या जहां हमें आपूर्ति श्रृंखला को और मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि वाहन कलपुर्जा क्षेत्र में फिर से मांग सुधरी है। लेकिन अभी यह अनुमान लगाना मुश्किल होगा कि दीर्घावधि में यह व्यवहारिक होगा या नहीं। एसकेएफ इंडिया का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही 65.02 करोड़ रुपये रहा। यह 2019-20 की जुलाई-सितंबर तिमाही के मुकाबले 23.16 प्रतिशत कम है। कंपनी की देश में पुणे, बेंगलुरू और हरिद्वार में तीन विनिर्माण इकाई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

बीबीएल : सिडनी सिक्सर्स ने जेम्स विंसे के साथ किया करार

सिडनी। सिडनी सिक्सर्स ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जेम्स विंसे के साथ बिग बैश लीग (बीबीएल) के आने वाले सीजन के लिए करार किया है। इंग्लैंड की विश्व विजेता टीम के सदस्य रहे विंसे लगातार तीसरे सीजन के लिए इस टीम के साथ जुड़ेंगे।विंसे ने बीबीएल-8 के दूसरे हाफ में अपने देश के ही जोए डेनले का स्थान लिया था। वह टीम के लिए शीर्ष क्रम में उपयोगी साबित हुए थे।टीम के कोच ग्रेग शिफर्ड ने कहा है कि विंसे टीम में अनुभव लेकर आएंगे।उन्होंने कहा, जेम्स हमारी विजेता टीम का अहम हिस्सा थे। हम उनके बीबीएल सफर को जारी रखने के लिए उनका स्वागत करते हैं। उन्होंने शीर्ष क्रम में अहम रोल निभाया था और हमारे युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया था। उन्होंने कहा, वह हमारी टीम में काफी लोकप्रिय हैं। वह इंग्लिश काउंटी कप्तान का अनुभव हमारी टीम में ला रहे हैं। इससे हमें रणनीति बनाने में मदद मिलेगी।

आईपीएल-13

वर्चुअल क्वार्टर-फाइनल की तरह होगा दिल्ली-बेंगलोर का मैच

अबू धाबी।

दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की टीमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन में सोमवार को शेख जाएद स्टेडियम में भिड़ेंगी। यह मैच एक तरह से वर्चुअल क्वार्टर-फाइनल की तरह होगा, जहां जो टीम जीतेगी वो प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाएगी। हालांकि हारने वाली टीम बाहर नहीं होगी लेकिन उसके लिए दूसरी टीमों का प्रदर्शन काफी मायने रखेगा। दोनों टीमों के लिए इस समय स्थिति एक जैसी है। अंकतालिका में बेंगलोर 13 मैचों में सात जीत, छह हार के साथ 14 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। जबकि दिल्ली नेट रन रेट के कारण इन्हीं आंकड़े के साथ तीसरे स्थान पर स्थित है। दिल्ली ने सीजन की शानदार शुरूआत की थी, लेकिन पिछले चार मैचों के हार के कारण प्लेऑफ में जाने में उसे इतनी देर हो गई। उसे अब बेंगलोर को हरा कर दूसरा स्थान हासिल करना होगा। अगर बेंगलोर, दिल्ली को हरा देती है फिर दिल्ली को उम्मीद करनी होगी की चेन्नई सुपर किंग्स, किंग्स इलेवन पंजाब को हरा दे और मुंबई इंडियंस, सनराजर्स हैदराबाद को मात दे। ऐसे में पंजाब और हैदराबाद 12 अंकों पर ही रहेंगे। यही स्थिति बेंगलोर के साथ भी कायम है। दिल्ली के खिलाफ अगर उसे हार मिलती है तो वह भी वही उम्मीद करेगी जो दिल्ली हार की स्थिति में करेगी। दोनों टीमें हालांकि इस मैच में हार बाकी टीमों के भरोसे अपने भविष्य के फैसले को नहीं छोड़ेंगी और पूरा प्रयास करेंगी कि उन्हें जीत मिले। अब देखना होगा कि इस कश्मकश भरी जंग में जीत किस टीम के हिस्से आती है और दूसरे के कंधों पर किसका भविष्य निर्भर होता है। दोनों टीमों की अगर बात की जाए तो अपने पिछले मैचों में यह हार कर आ रही है। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली को हराया था और हैदराबाद ने बेंगलोर को। दिल्ली के लिए चिंता यह है कि पिछले कुछ मैचों से उसकी बल्लेबाजी नहीं चल रही है, जिसके कारण टीम के गेंदबाजों को बचाने के लिए अच्छा स्कोर नहीं मिल पा रहा है। अपने आखिरी मैच में तो मुंबई के खिलाफ दिल्ली 20 ओवरों में सिर्फ 110 रन ही बना पाई थी। यह टीम के लिए एक चिंता का सबब है। शिखर धवन का फॉर्म खो गया है। पृथ्वी शॉ का बल्ला भी नहीं चल रहा है। कप्तान श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत भी रन नहीं बना पाए हैं और मार्कस स्टोयनिस, शिमरन हेटमायेर भी निचले क्रम में अपना तूफानी अंदाज नहीं दिखा पाए हैं। यह सभी चीजें दिल्ली के लिए परेशानी हैं जो वह बेंगलोर के खिलाफ दूर करना चाहेगी, नहीं तो उसका पहला आईपीएल खिताब जीतने का सपना एक बार फिर अधूरा रह सकता है। बेंगलोर की भी यही कहानी है। अपने पहले खिताब की कोशिश में लगी बेंगलोर अपने पिछले मैच में हैदराबाद के खिलाफ 120 रन ही बना पाई थी। उस मैच में एक बार फिर विराट कोहली और अब्राहम डिविलियर्स के ऊपर निर्भरता देखी गई थी और इन दोनों के आउट होते ही टीम बिखर गई थी। इस सीजन हालांकि देवदत्त पडिकल ने सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी को अच्छे से निभाया है और निचले क्रम में क्रिस मौरिस ने भी अच्छे हाथ दिखाए हैं। इन दोनों को भी इस अहम मैच में रन बनाने की जरूरत होगी। दोनों टीमों की गेंदबाजी की तुलना की जाए तो दिल्ली हावी है। उसके पास कैगिसो रबादा और एनरिक नॉर्खिया जैसे नाम हैं जो लगातार टीम के लिए बेहतर कर रहे रहे हैं। रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल की जोड़ी भी बेंगलोर के लिए खतरनाक साबित हो सकती है।

महिला क्रिकेट के समर्थन में आगे आईं नीता अंबानी

मुंबई।

रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन और संस्थापक नीता अंबानी ने भारत में महिला क्रिकेट को अपने समर्थन की रविवार को घोषणा की। इस दिशा में जियो और रिलायंस फाउंडेशन एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल (आर एफ ईएसए) आगामी महिला टी-20 चैलेंज की प्रायोजक बनी हैं। इस करार के बाद नीता ने नवी मुंबई के जियो क्रिकेट स्टेडियम में मिलने वाली क्रिकेट सुविधाओं को राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम को सौंपने का फैसला किया है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस स्टेडियम में फ्री में ट्रायल्स कर सकती हैं और प्रतिस्पर्धात्मक मैच भी खेल सकती है। इसके अलावा, महिला क्रिकेटर्स अब मुंबई के प्रतिष्ठित सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में उपलब्ध रिहेबिलिटेशन और खेल विज्ञान की सुविधाओं का लाभ उठा सकती हैं।नीता ने कहा, महिला टी 20 चैलेंज के आयोजन के लिए मैं बीसीसीआई को हार्दिक बधाई देती हूं। भारत में महिला क्रिकेट के विकास की दिशा में यह एक प्रगतिशील कदम है। मैं इस अद्भुत पहल के लिए अपना पूरा समर्थन देने से खुश हूं। मुझे अपने खिलाड़ियों और उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, भारतीय महिला क्रिकेटरों ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी प्रतियोगिताओं में अपनी शानदार उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम अपनी लड़कियों को बुनियादी सुविधाओं, प्रशिक्षण और पुनर्वसन की सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करें। अंजुम, मिताली, स्मृति, हरमनप्रीत और पूनम जैसे खिलाड़ी बेहतरीन रोल मॉडल हैं। मैं उन्हें और भारतीय महिला टीम के प्रत्येक सदस्य के लिए भविष्य की कामना करती हूं। महिला टी-20 चैलेंज संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में चार से नौ नवंबर के बीच खेला जाएगा। इसमें तीन महिला टीमें-सुपरनोवाज, ट्रेलब्लेजर्स और वेलोसिटी भाग लेंगी।

बुमराह ने रबादा से छीना पर्पल कैप

नई दिल्ली।

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज कगिसो रबादा से पर्पल कैप छीन लिया है। बुमराह ने शनिवार को आईपीएल-13 के 51वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और अब वह सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में रबादा को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच गए हैं। बुमराह के 13 मैचों से अब 23 विकेट हो गए हैं। रबादा के भी इतने ही मैचों से 23 विकेट हैं, लेकिन बेहतर औसत के कारण बुमराह विकेट टेकिंग गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। बुमराह ने हालांकि कहा कि वह पर्पल कैप को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं थे। उन्होंने कहा, मैं केवल वही करने की कोशिश कर रहा था, जोकि मैं करना चाहता था। पर्पल कैप को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं था। टीम की जीत ज्यादा महत्वपूर्ण है। बुमराह ने कहा, 20 ओवरों के दौरान मैं किसी भी समय गेंदबाजी करने को तैयार हूं। मैं चुनौती को पसंद करता हूं और यह मुझे हमेशा खेल में बनाए रखती है।

चेन्नई ने किंग्स इलेवन पंजाब को 9 विकेट से हराया

अबु धाबी।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 13वें सीजन के 53वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने किंग्स इलेवन पंजाब को 9 विकेट से हरा दिया। इस हार के बाद पंजाब प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। अबु धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेले गए आज के मैच में चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 153 रन बनाए। पंजाब के लिए सबसे ज्यादा 62 रन दीपक हुड्डा ने बनाए। जवाल में चेन्नई की टीम ने ऋतुराज गायकवाड़ की 62* और फाफ डू प्लेसिस की 48 रन की पारी की बदौलत 18.5 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर इस लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। चेन्नई के लिए लुंगी नगिडी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके। शार्दुल ठाकुर, इमरान ताहिर और रवींद्र जडेजा ने 1-1 विकेट लिया। पंजाब के गेंदबाज क्रिस जॉर्डन ने एक विकेट चटकाया।

पंजाब ने दीपक हुड्डा (नाबाद 62 रन, 30 गेंदें, 3 चौके, 4 छक्के) की आखिरी ओवरों में खेली गई बेहतरीन अर्धशतकीय पारी के दम पर 20 ओवरों में छह विकेट गंवाकर 153 रन बनाए थे। चेन्नई ने

गायकवाड (नाबाद 62, 49 गेंदें, 6 चौके, 1 छक्का) की बदौलत 18.5 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। इन-फॉर्म बल्लेबाज गायकवाड़ और फाफ डु प्लेसिस ने पंजाब का काम बिगाड़ने की शुरुआत की। पावरप्ले में इन दोनों ने 57 रन टीम के स्कोरबोर्ड पर टांग पंजाब की मुसीबतों को बढ़ा दिया। पंजाब को किसी भी तरह से विकेटों की जरूरत थी। उसे यह जरूरी विकेट लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने दिला ही दिया था। मनदीप सिंह ने ऋतुराज का गली पर नीचा कैच पकड़ा जिस पर अंपायरों को संदेह हुआ और तीसरे अंपायर की तरफ रुख किया गया जिन्होंने पाया कि गेंद जमीन पर लगी है। क्रिस जोर्डन ने हालांकि 82 के कुल योग पर डु प्लेसिस को आउट कर पंजाब को पहली सफलता दिलाई। डु प्लेसिस ने 34 गेंदों पर चार चौके और दो छक्कों की मदद से 48 रन बनाए। पंजाब फिर दूसरा विकेट नहीं ले सकी। डु प्लेसिस के बाद आए अंबाती रायडू (नाबाद 30) ने फिर गायकवाड़ का साथ दे दूसरे विकेट के लिए 72 रनों की साझेदारी कर चेन्नई को जीत दिलाई। गेंदबाजों से पहले पंजाब की बल्लेबाजी भी नहीं चली थी। इस मैच में लोकेश राहुल के पुराने जोड़ीदार मयंक अग्रवाल ही पारी की शुरुआत करने आए। दोनों ने टीम को अच्छी शुरुआत देते हुए 48 रन जोड़े। मंयक (26) लुंगी एनगिडी की गेंद पर प्लेड ऑन हो गए। एनगिडी ने ही राहुल (29) को बोल्ड किया। यहां से फिर पंजाब के विकेट लगातार अंतराल पर गिरते रहे। निकोलस पूरन (2) को शार्दूल ठाकुर ने आउट किया। लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने क्रिस गेल (12) को एलबीडब्ल्यू कर पंजाब का चौथा विकेट गिरा दिया। मनदीप सिंह (14) को रवींद्र जडेजा ने अपना शिकार बनाया।पंजाब का 150 के स्कोर तक पहुंचना मुमकिन नहीं लग रहा था, लेकिन हुड्डा ने आखिरी ओवरों में टीम की नैय्या को अपने हाथ में लिया और 150 का आंकड़ा पार करा दिया। उनके साथ जोर्डन चार रन बनाकर नाबाद रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने वेस्ट हैम को हराया

लिवरपूल। सब्सिट्यूट डियोगो जोटा के आखिरी मिनट में दागे गए गोल की मदद से मौजूदा चैंपियन लिवरपूल ने यहां एनफील्ड स्टेडियम में खेले गए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) मुकाबले में वेस्ट हैम युनाइटेड को 2-1 से हरा दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, जोटा का तीन मैचों में यह लगातार तीसरा गोल है। शनिवार को खेले गए इस मैच में मिली जीत के बाद लिवरपूल की टीम सात मैचों में 16 अंकों के साथ अब तालिका में शीर्ष पर आ गई है। वेस्ट हैम की टीम ने 10वें मिनट में ही पाब्लो फॉर्नल्स के गोल के सहारे अपना खाता खोल लिया। लेकिन पहले हाफ की समाप्ति से कुछ मिनट पहले ही मोहम्मद सलाह ने पेनल्टी को गोल में बदलकर लिवरपूल को मुकाबले में 1-1 से बराबरी पर ला दिया। मिस्त्र के फॉरवर्ड सलाह ने 42वें मिनट में यह गोल दागा। मैच के दूसरे हाफ में जोटा ने बेहतरीन गोल करके लिवरपूल को 2-1 से आगे कर दिया। इस साल सितंबर में लिवरपूल से जुड़ने वाले जोटा ने यह गोल 85वें मिनट में किया। जुर्गेन क्लॉप की टीम अपने घरेलू मैदान एनफील्ड में अब तक पिछले 63 क्लब स्तरीय मैचों से अजेय चल रही है। वहीं, हार के बाद वेस्ट हैम की टीम 13वें स्थान पर बरकरार है।

बेंगलोर-हैदराबाद मैच में नो बाल न दिए जाने से हैरान हैं युवराज सिंह

शारजाह। भारतीय टीम के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी युवराज सिंह ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच हुए मैच में मैदानी अंपायरों पर सवाल खड़े किए हैं। दरअसल मैदानी अंपयरों ने हैदराबाद की पारी के दौरान केन विलियम्सन की कमर से ऊपर फुलटॉस गेंद को नो बाल नहीं दिया था। यह मामला 121 रनों का पीछा कर रही हैदराबाद की पारी के 10वें ओवर में हुआ था जब केन विलियम्सन, इसुरु उदाना का सामना कर रहे थे। उदाना ने धीमी गेंद डालने की कोशिश की लेकिन यह गेंद फुलटॉस हो गई और विलियम्सन के सीने तक गई। विलियम्सन ने इस पर शॉट तो खेल दिया था लेकिन वह इस इस बात से हैरान थे कि मैदानी अंपायरों-कृष्णाचारी श्रीनिवासन और के.एन. अनांथपद्मानाभन ने इस गेंद को नो बाल करार नहीं दिया। इसका वीडियो जल्द ही सोशल मीडिया पर वायर हो गया जहां प्रशंसक, क्रिकेटर अंपायरों की गलती पर उनकी आलोचना करने लगे। युवराज ने ट्वीट किया, मैं ईमानदारी से इस बात पर विश्वास नहीं कर पा रहा हूं कि इसे नो बाल करार नहीं दिया गया। हरभजन सिंह ने भी इस पर तंज भरे लहजे में ट्वीट किया, नहीं यह नो बाल नहीं थी। अंपायरों की यह गलती हालांकि हैदराबाद के लिए नुकसानदायक नहीं रही और उसने आसानी से पांच विकेट से मैच अपने नाम किया।

लक्ष्मण के जन्मदिन पर बोले सहवाग, इनकी रिस्ट में अलग ही ट्विस्ट था

नई दिल्ली।

क्रिकेट जगत ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण को उनके जन्मदिन पर बधाई है। लक्ष्मण रविवार को 46 वर्ष के हो गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने ट्विटर पर कहा, लक्ष्मण भाई, जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई। उम्मीद है कि आगे आने वाले दिन आपके लिए बेहतर हो। वीरेंद्र सहवाग ने कहा, इनकी रिस्ट में अलग ही ट्विस्ट था। एक शानदार दोस्त वीवीएस लक्ष्मण को जन्मदिन की बहुत बहुत बधाई। आपको ढेर सारी खुशियां और प्यार मिले। सुरेश रैना ने कहा, हैप्पी बर्थडे वीवीएस लक्ष्मण। आपके जैसे दिग्गजों के साथ खेलना मेरे लिए हमेशा सम्मान की बात रही है। युवराज सिंह ने तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, आप जैसे जेंटलमैन के साथ खेलना सम्मान की बात है, आपकी खुशियों और अच्छी सेहत की कामना करता हूं। गौतम गंभीर ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो वीवीएस लक्ष्मण, आपको जनना किसी खुशी से कम नहीं है। इतने सालों में जो यादें आपके साथ जुड़ी हैं, उनका शुक्रिया, आपके अच्छी सेहत और खुशियों के लिए शुभकामनाएं। लक्ष्मण ने भारत के लिए 134 टेस्ट और 86 वनडे मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने क्रमश : 8781 और 2338 रन बनाए हैं। 2001 में

ईडन गॉर्डन्स में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई उनकी 281 रनों की मैच जिताऊ यादगार पारी अभी लोगों के जेहन में याद है जब भारत ने फॉलोऑन खेलते हुए मैच जीता था।

टीम को ओलम्पिक पदक दिलाने में मदद करना लक्ष्य : रीना खोखर

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर रीना खोखर ने कहा है कि आने वाले महीने उनके करियर में काफी अहम होंगे क्योंकि उनका मकसद ओलम्पिक टीम में जगह बनाना और फिर टीम को ओलम्पिक पदक दिलाना है।खोखर भारतीय टीम के लिए अभी तक 45 मैच खेल चुकी हैं। उन्होंने कहा, मैंने अभी तक के अपने छोटे से करियर में काफी उतार-चढ़ाव देखे हैं और चोटों से भी परेशान रही हूं। मैं अब हालांकि पूरी तरह से फिट हूं और मुझे अपने खेल के बारे में अच्छा महसूस हो रहा है। मैं इस अतिरिक्त साल का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हूं और एक खिलाड़ी के तौर पर सुधार करना चाहती हूं। उन्होंने कहा, मेरा पहला लक्ष्य ओलम्पिक टीम में जगह बनाना है और फिर टीम को टोक्यो में पदक दिलाना है। अगले कुछ महीने मेरे करियर में काफी अहम रहने वाले हैं और मुझे इनका अच्छा उपयोग करना होगा। खोखर ने कहा कि एफआईएच ओलम्पिक क्वालीफायर अभी तक उनका सबसे अच्छा टूर्नामेंट रहा है। डिफेंडर ने कहा, एफआईएच ओलम्पिक क्वालीफायर-2019 में जब हमने अमेरिका को हराया था उसके बाद जो हमारा स्वागत हुआ था वो अतुल्नीय था। हमें घर के दर्शकों से जो समर्थन मिला थो वो शानदार था।

ग्रैम व्हाइट ने नार्थम्पटनशायर के साथ बढ़ाया करार

लंदन। बाएं हाथ के स्पिनर ग्रैम व्हाइट ने इंग्लैंड काउंटी क्रिकेट क्लब नार्थम्पनटशायर की सीमित ओवरों की टीम के साथ अपने करार को एक साल का विस्तार दिया है। व्हाइट ने एक बयान में कहा, मैं इस टीम के साथ अपना करार बढ़ा कर खुश हूं। यह मेरा घरेलू क्लब है और मैंने यहां काफी समय बिताया है। मैं इस क्लब के साथ ज्यादा से ट्रॉफी जीतना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मेरा सीजन अच्छा रहा था। सब कुछ अच्छी तरह से चला था। मैं जब गेंदबाजी कर रहा था तब सब कुछ अच्छे से हो रहा था। जब मैं निचले क्रम में बल्लेबाजी करने आया तो मैंने कुछ अच्छे शॉट्स मारे। टीम के कोच डेविड रिप्ले ने कहा, ग्रैम के लिए टीम में काफी सम्मान है। वह न सिर्फ बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग करते हैं बल्कि उनके पास नेतृत्वक्षमता है। उन जैसे खिलाड़ी का टीम में रहना शानदार है।

महिला टी-20 चैलेंज अधिक लड़कियों को क्रिकेट के लिए प्रेरित करेगा : गांगुली

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जियो को महिला टी-20 चैलेंज 2020 का मुख्य प्रायोजक बनाए जाने की रविवार को घोषणा की। बीसीसीआई और जियो के बीच हुई इस साझेदारी में रिलायंस फाउंडेशन एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल (आरएफ ईएसीए) का भी समर्थन होगा। महिला टी-20 चैलेंज संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में चार से नौ नवंबर के बीच खेला जाएगा। इसमें तीन महिला टीमें-सुपरनोवाज, ट्रेलब्लेजर्स और वेलोसिटी भाग लेंगी। गांगुली ने कहा, बीसीसीआई सभी प्रारूपों में क्रिकेट के खेल को बढ़ाता है, इसलिए महिलाओं के खेल को बढ़ाने के लिए फोकस का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। हमें उम्मीद है कि महिला टी-20 चैलेंज अधिक युवा लड़कियों को क्रिकेट के लिए प्रेरित करेगा और माता-पिता को यह विश्वास दिलाएगा कि क्रिकेट खेलना उनकी बेटियों के लिए एक शानदार करियर अवसर है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने कहा, हम उन महान महिलाओं की खेल कहानियों को देखने के लिए उत्सुक हैं जो इस पहल के परिणामस्वरूप साझा की जाएंगी। हम क्रिकेट में महिला प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए ठोस तरीके से समर्थन और निर्माण करना चाहते हैं। हमारा लक्ष्य महिला टी-20 चैलेंज के साथ एक समर्पित महिला आईपीएल के लिए मार्ग बनाना है। रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन और संस्थापक नीता अंबानी ने कहा, महिला टी-20 चैलेंज के आयोजन के लिए मैं बीसीसीआई को हार्दिक बधाई देती हूं। भारत में महिला क्रिकेट के विकास की दिशा में यह एक प्रगतिशील कदम है। मैं इस अद्भुत पहल के लिए अपना पूरा समर्थन देने से खुश हूं। मुझे अपने खिलाड़ियों और उनकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, भारतीय महिला क्रिकेटरों ने पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी प्रतियोगिताओं में अपनी शानदार उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया है। हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हम अपनी लड़कियों को बुनियादी सुविधाओं, प्रशिक्षण और पुनर्वसन की सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करें। अंजुम, मिताली, स्मृति, हरमनप्रीत और पूनम जैसे खिलाड़ी बेहतरीन रोल मॉडल हैं। मैं उन्हें और भारतीय महिला टीम के प्रत्येक सदस्य के लिए भविष्य की कामना करती हूं।

आईपीएल-13 में पंत के संघर्ष का कारण उनकी फिटनेस : मूडी

दुबई। आस्ट्रेलिया के पूर्व आलराउंडर टॉम मूडी का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत जिस स्थिति में आईपीएल शुरू होने से पहले यूएई पहुंचे थे वह बहुत अच्छी नहीं थी और इसलिए वह इस आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। पंत ने आईपीएल-13 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैचों में 30.44 की औसत से अब तक 274 रन बनाए हैं और इसमें उनका स्ट्राइक रेट भी 112.29 का ही रहा है। मूडी ने क्रिकइंफो के कार्यक्रम में कहा, पंत जिस स्थिति में यूएई पहुंचे वह बहुत अच्छी नहीं थी, क्योंकि फिटनेस के लिहाज से यह काफी खराब थी। मेरी समझ के मुताबिक जिस स्थिति में उन्हें होना चाहिए था, वह उस स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं इस बात को मानता हूं कि हर कोई लॉकडाउन में था और कुछ चुनौतियां इस दौरान रहीं, लेकिन मेरे हिसाब से कोई भी बहाना नहीं चल सकता। हम 70 या 80 के दशक में नहीं खेल रहे हैं। 55 वर्षीय मूडी ने मूडी ने भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली उदाहरण देते हुए बताया कि बाकी खिलाड़ियों को फिटनेस के बारे में उनसे सीखना चाहिए। मूडी ने कहा, जब तैयारी की बात आती है तो भारतीय टीम में विराट कोहली जैसा रोल मॉडल है और इसलिए बहाने के लिए कोई जगह नहीं है। मेरे ख्याल से पंत का न चलना न सिर्फ शारीरिक तौर पर, बल्कि मानसिक तौर पर भी आपकी लय खराब करता है और फिर वह चोटिल हो जाते है। पंत को आस्ट्रेलिया दौरे पर होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आदिल हुसैन को मिला बड़ा मौका, ब्रिटिश भारतीय फिल्म में करेंगे काम

आदिल हुसैन एक ब्रिटिश भारतीय फिल्म में अभिनय करेंगे, जिसका शीर्षक फुटप्रिंट्स ऑन वॉटर होगा। आदिल ब्रिटिश अभिनेता एंटोनियो एकेल के साथ फिल्म में अभिनय करेंगे। फिल्म नीता सियाम द्वारा लिखी गई है और नथालिया स्याम द्वारा निर्देशित की जाएगी।

आदिल ने ट्विटर पर खबर साझा की और लिखा, 'यह एक ऐसी भूमिका है, जिसका मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, ताकि जीवन में खुशहाली आए। शूटिंग दिसंबर में बर्मिंघम में शुरू होगी। निर्देशक नथालिया स्याम धन्यवाद।'

फिल्म ब्रिटेन में एक अवैध अप्रवासी के चरित्र पर केंद्रित है जो पुलिस से बचने की कोशिश करते हुए अपनी बेटी की तलाश कर रहा है। आदिल फिल्म में पिता की मुख्य भूमिका निभाएंगे।

फुटप्रिंट्स ऑन वॉटर के अलावा, आदिल हुसैन अमेरिकी वेब श्रृंखला स्टार ट्रेक: डिस्कवरी सीज़न 3 में एक महत्वपूर्ण भूमिका में भी दिखाई देंगे। आदिल को हाल ही में ZEE5 फिल्म परीक्षा द फाइनल टेस्ट में देखा गया था। जिसमें उन्होंने रिक्शा चलाने वाले की भूमिका निभाई थी।

मुकेश खन्ना ने महिलाओं पर दिया विवादित बयान, सोशल मीडिया पर रिलीज हुआ वीडियो

टीवी शो शक्तिमान और महाभारत के भीष्म के लिए जाने जाने वाले अभिनेता मुकेश खन्ना अपने बयानों को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। वह शुरू के ही काफी खरा बोलते हैं जिसकी वजह कई लोगों को उनकी बातें बुरी भी लग जाती हैं। हाल ही में उन्होंने कोरोना काल और ड्रग्स मामले पर महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ बयान दिया था। जिसमें उन्होंने सरकार की नाकामियों को गिनवाया था।

अब कुछ समय बीतने के बाद मुकेश खन्ना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है जिसमें टीवी शो शक्तिमान और महाभारत के लिए जाने जाने वाले अभिनेता मुकेश खन्ना ने कहा है कि #MeToo आंदोलन इसलिए शुरू हुआ क्योंकि महिलाएं खुद को पुरुषों के बराबर समझने लगीं। उन्होंने कहा कि घर की देखभाल करना महिलाओं का कर्तव्य है।

हाल ही में एक साक्षात्कार से उनकी टिप्पणियों का एक वीडियो व्यापक रूप से ऑनलाइन साझा किया जा रहा है। वीडियो में, अभिनेता कहता है, '#MeToo की समस्या तब शुरू हुई जब महिलाओं ने काम करना शुरू किया।'

फिल्मी चर्चा के साथ बातबीच में आप मुकेश खन्ना ने कहा कि मर्द अलग होता है और औरत अलग होती है। मर्द के शरीर की रचना अलग होती है और औरत की अलग। औरत का काम होता है घर संभातना, मांफ करना में कभी -कभी बोल भी जाता हूं कि मीटू की प्रॉब्लम कहा से शुरू हुई है। जब औरतों ने भी काम करना शुरू कर दिया। आज औरत मर्द के साथ कंधे से कंधा मिला कर चलने की बात करती हैं। लोग वूमेन लीव की बाद करते हैं लेकिन मैं आपको बता दूं कि प्रॉब्लम यहीं से शुरू होती हैं। औरत के काम करने से जो सबसे पहले सफर करता है वो घर का बच्चा सफर करता है जिसे घर पर मां नहीं मिलती ।काम करने के बाद से ही इन चीजों की शुरूआत हुई महिलाएं सोचने लगी की मैं भी वहीं करुंगी तो मर्द करेंगे... नहीं मर्द, मर्द होता है और औरत, औरत होती हैं।

महिलाओं को समान न मानने वाले इस वीडियो में मुकेश खन्ना के इस बनान में काफी एडिटिंग करके इसे सोशल मीडिया पर रिलीज किया गया है। वीडियो देखते वक्त साफ पता चलता है कि मुकेश के बयान से छेड़छाड़ की गयी है।

हाल ही में, अभिनेता ने खुद को एक विवाद के केंद्र में पाया जब उन्होंने द कपिल शर्मा शो के बारे में बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैंने इस शो में महाभारत के कलाकारों के साथ आने से इनकार कर दिया। क्योंकि यह शो फूहड़पन से भरा है, डबल मीनिंग शब्दों से भरा है, जो हर पल अश्लीलता की ओर ले जाता है। जिसमें पुरुष महिलाओं के कपड़े पहनते हैं, सस्ते काम करते हैं और लोग अपना पेट पकड़कर हंसते हैं। ये वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी किया।

जवाब में कपिल ने कहा था, 'मैं और मेरी टीम इस महामारी के महत्वपूर्ण चरण के दौरान लोगों को मुस्कुराने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जब पूरी दुनिया कठिन दौर से गुज़र रही है, तो लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना ज़रूरी है।'

आदर से शादी से पहले तारा सुतारिया के हाथ लगी एक और फिल्म! इस एक्टर के संग करेंगी रोमांस

कपूर खानदान के बेटे आदर जैन और तारा सुतारिया के अफेयर के काफी चर्चे बॉलीवुड गलियारों में हो रहे हैं। आदर के भाई अरमान जैन की शादी में दोनों को काफी क्लोज देखा गया था तब से ये खबरें सामने आयी हैं। तारा सुतारिया के करियर की बात करें तो एक्ट्रेस अभी तक दो फिल्मों में नजर आ चुकी है। उनकी पहली डेब्यू फिल्म टाइगर श्रॉफ के साथ स्टूडेंट ऑफ द इयर थी उसके बाद वह फिल्म मरजांवा में सिद्धार्थ मलहोत्रा के साथ नजर आयी थी। दोनों ही फिल्में कुछ खास कमाल नहीं थी लेकिन तारा ने काफी तारीफें बटौरी थी। अब तारा सुतारिया के हाथ एक और नयी फिल्म लगी हैं।

टाइगर श्रॉफ की फिल्म हीरोपंती 2 में तारा सुतारिया उनके अपोजिट लीड एक्ट्रेस का रोल प्ले करेंगी। तारा ने अपने नये प्रोजेक्ट की जानकारी खुद सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। तारा सुतारिया हीरोपंती 2 में महिला प्रधान भूमिका निभाएंगी और परियोजना के लिए टाइगर श्रॉफ के साथ फिर से जुड़ने के लिए अभिनेत्री उत्साहित है। सोशल मीडिया पर खबर साझा करते हुए, तारा सुतारिया ने निर्माता साजिद नाडियाडवाला को धन्यवाद दिया और लिखा कि उनके जन्मदिन के महीने को किक-स्टार्ट करने का इससे बेहतर तरीका नहीं हो सकता। तारा सुतारिया इस साल 19 नवंबर को 25 साल की हो जाएंगी।

इस साल फरवरी में हीरोपंती 2 के फर्स्ट लुक पोस्टर का अनावरण किया गया था। पोस्टर रिलीज होने के बाद फिल्म को काफी ट्रोल किया गया था क्योंकि फिल्म के एक पोस्टर और हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर के जॉन विक अध्याय 3 के पोस्टर के बीच समानताएं देखी गयी थी और नकल करने का आरोप लगाया गया था।

मोहेंजो दारो के फ्लॉप होने के बाद बॉलीवुड से क्यों गायब हो गयी थी पूजा हेगड़े? अब बताई वजह

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े को आशुतोष गोवारिकर की पीरियड ड्रामा मोहेंजो दारो के साथ बॉलीवुड में एक ड्रीम लॉन्च मिला, जिसमें उन्हें ऋतिक रोशन के साथ कास्ट किया गया था। दुर्भाग्य से, फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम नहीं मचा सकी। फिल्म को लेकर एक नए साक्षात्कार में पूजा हेगड़े ने कहा कि फिल्म की विफलता उनके लिए 'दिल तोड़ने वाली' थी।

मोहेंजो दारो के बाद, पूजा ने पिछले साल हाउसफुल 4 के साथ हिंदी फिल्मों में लौटने से पहले, दक्षिण की अपनी परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि मैंने जानबूझकर बॉलीवुड से ब्रेक लिया क्योंकि मैं चाहती थी कि उसकी दूसरी फिल्म 'मजबूत' हो।

मिड-डे से बात करते हुए, पूजा ने कहा, 'एक अभिनेता की पहली फिल्म दुनिया के लिए उनका प्रदर्शन है। मैं अनुबंध पर थी, इसलिए मुझे इस अवधि के दौरान किसी अन्य फिल्म पर हस्ताक्षर नहीं करना था। इसकी असफलता दिल दहला देने वाली थी। मैंने हिंदी फिल्में साइन करना बंद कर दिया क्योंकि मुझे एक मजबूत दूसरी फिल्म की जरूरत थी। मैंने हाउसफुल 4 की सफलता पर किया और आज मैं यहाँ हूँ!

पूजा ने हाल ही में रोहित शेट्टी की फिल्म सिर्कस को साइन किया, जिसमें रणवीर सिंह, जैकलीन फर्नांडीज और वरुण शर्मा भी है। सहायक कलाकारों में सिद्धार्थ जाधव, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, व्रजेश हिरजी, विजय पाटकर, सुलभा आर्य, मुकेश तिवारी, अनिल चरणजीत, अश्विनी कालकर और मुरली शर्मा शामिल हैं।

टीवी शो 'तारे जमीन पर' को होस्ट करेंगी सुगंधा मिश्रा, निभाएंगी डबल रोल

अपने मधुर गायन और धमाकेदार प्रस्तुतियों से टेलीविजन स्क्रीन पर राज करने के साथ लगभग एक दशक से अधिक समय तक दर्शकों का दिल जीतने वाली एक अनुभवी गायिका, हास्य कलाकार, टेलीविजन प्रस्तुतकर्ता सुगंधा मिश्रा ने एक बार फिर धमाकेदार वापसी की है।

स्टार प्लस पर जल्द ही प्रस्तुत होने वाले 'तारे जमीन पर' शो को आकर्षक, उत्साही और ऊर्जावान सुगंधा मिश्रा, प्रतिभावान आकृति शर्मा के साथ होस्ट करने वाली हैं। सुगंधा ने कई लोकप्रिय टीवी शो होस्ट किए हैं और उनकी मिमिक्री और कॉमिक टाइमिंग के लिए उन्हें लाखों लोगों द्वारा पसंद किया जाता रहा है।

इसपर अपनी टिप्पणी करते हुए सुगंधा कहती हैं, मैं बच्चों के साथ एक मजबूत संबंध साझा करती हूं और वास्तव में मैं उनके आसपास होने का बहुत आनंद उठाती हूं। मैंने इस शो के अनोखे कॉन्सेप्ट को देखकर इसका हिस्सा बनने का फैसला किया। जितना ही मुझे अभिनय पसंद है उतना ही मैं होस्ट करने की कला का आनंद लेती हूं और वर्षों से, मैंने टेलीविजन शो को होस्ट करने के लिए खुद में एक अलग सी लगन विकसित की है।

Happy Birthday : कभी टीवी सीरियल में डबिंग आर्टिस्ट बनना चाहती थीं ऐश्वर्या राय, ऑडिशन में हो गई थीं रिजेक्ट

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय 1 नवंबर को अपना 47वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। ऐश्वर्या बॉलीवुड की सबसे टैलेंटेड और पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। लेकिन करियर में स्ट्रगल और रिजेक्शन का दर्द उन्होंने भी झेला है। ऐश्वर्या एक टीवी सीरियल में डबिंग आर्टिस्ट बनना चाहती थीं, लेकिन उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया था।

खबरों के अनुसार ऐश्वर्या ने 1994 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने से पहले एक टीवी सीरियल में वॉयस डबिंग के लिए ऑडिशन दिया था, जिसमें उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया था। इस रिजेक्शन के बाद उन्हें दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला का खिताब मिला। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में एंट्री मारी और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

ऐश्वर्या की तरह ही उनके ससुर और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ को भी रिजेक्शन झेलना पड़ा था। दरअसल, बिग बी ने भी अपने शुरुआती करियर में नौकरी की तलाश करते हुए ऑल इंडिया रेडिया में ऑडिशन दिया था। हालांकि, यहां उन्हें यह कहते हुए रिजेक्ट कर दिया कि उनकी आवाज बहुत भारी है और वह रेडियो के लिए फिट नहीं हैं।

ऐश्वर्या की तरह ही उनके ससुर और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ को भी रिजेक्शन झेलना पड़ा था। दरअसल, बिग बी ने भी अपने शुरुआती करियर में नौकरी की तलाश करते हुए ऑल इंडिया रेडिया में ऑडिशन दिया था। हालांकि, यहां उन्हें यह कहते हुए रिजेक्ट कर दिया कि उनकी आवाज बहुत भारी है और वह रेडियो के लिए फिट नहीं हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हुई

तुर्की और ग्रीस में भूकंप से मची तबाही

इजमिर (तुर्की), एजेंसी। तुर्की के पश्चिमी तट और यूनान (ग्रीस) के सामोस द्वीप के बीच स्थित इजियन सागर में आए शक्तिशाली भूकंप में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है, जबकि 800 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

शनिवार को बचाव दलों ने आठ इमारतों के मलबों के नीचे दबे और जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए अभियान चलाया। इजमिर के बायराकली जिले में एक अपार्टमेंट के मलबे से बचावकर्ताओं ने एक किशोर को जीवित निकाला, उसके साथ उसका पालतू कुत्ता भी जीवित पाया गया। कई लोग अपने मित्रों और संबंधियों की खबर पाने के लिए मलबों के निकट मौजूद हैं। सरकारी अनादोलू समाचार एजेंसी के मुताबिक एक अन्य इमारत के मलबे से बचावकर्मियों ने 38 वर्षीय महिला से संपर्क साधा, उस महिला के साथ उसके चार बच्चे भी मलबे में दबे हैं और इन सभी को निकालने का प्रयास जारी है।

100 लोगों को जीवित निकाला

शनिवार सुबह एक इमारत के मलबे से दो महिलाओं को निकाला गया था। भूकंप के बाद से अब तक कुल 100 लोगों को जीवित निकाला गया है। पर्यावरण मंत्री मुरात कुरुम ने संवादाताओं को बताया कि पांच हजार बचावकर्मी इस काम में लगे हुए हैं।

शुक्रवार दोपहर आए भूकंप के कारण तुर्की के तीसरे सबसे बड़े शहर इजमिर में इमारतें ढह गईं और इजमिर जिले के सेफेरिहिसार एवं सामोस में छोटी सुनामी भी आई। इसके बाद भी

भूकंप के सैकड़ों हल्के झटके आए।

3,000 राहत कर्मियों को भेजा

प्राधिकारियों ने इजमिर निवासियों को सचेत किया है कि वे क्षतिग्रस्त इमारतों में अभी नहीं लौटें, क्योंकि भूकंप के बाद आने वाले हल्के झटकों के कारण ये इमारतें ढह सकती हैं। इजमिर में 3,000 से अधिक राहत कर्मियों और राहत सामग्री भेजी गई है। यूनान और तुर्की के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बीच दोनों देशों के अधिकारियों ने इस मुश्किल समय में एकजुटता दिखाते हुए संदेश जारी किए तथा यूनान और तुर्की के राष्ट्रपति ने फोन पर बातचीत की।

संरा प्रमुख ने दुख व्यक्त किया

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पश्चिमी तुर्की में भूकंप से जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक बयान में कहा कि महासचिव एजियन सागर में शक्तिशाली भूकंप से हुए जानमाल और नुकसान से दुखी है। दुजारिक ने कहा कि गुटेरेस ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और उन लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

भूकंप के बाद ग्रीस, तुर्की पर डब्लूएचओ की नजर

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ग्रीस और तुर्की की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है, जहां शुक्रवार को शक्तिशाली भूकंप आया था। महानिदेशक टेड्रोस अधनोम घेब्रेयियस ने शुक्रवार को कहा कि अगर आवश्यक हो तो सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

टेड्रोस ने कहा कि मैं यह ध्यान देकर शुरू करना चाहता हूं कि डब्ल्यूएचओ भूकंप के बाद ग्रीस और तुर्की में जारी स्थिति का बारीकी से पालन कर रहा है। हम दोनों देशों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि जरूरत पड़ने पर आपातकालीन चिकित्सा देखभाल प्रदान की जा सके।

लंदन में नीलाम हुए महाराजा रणजीत सिंह की पत्नी के आभूषण

एजेंसी, लंदन। पंजाब के महाराजा रणजीत सिंह की अंतिम पत्नी महारानी जिंदन कौर के बेशकीमती आभूषणों की लंदन में नीलामी हुई। ये आभूषण जिंदन कौर की बड़ी पोती प्रिंस बांबा सुथरलैंड के पास थे। महारानी के नीलाम हुए आभूषणों के एक सेट में स्वर्ण और रत्न जड़ित चांद टिक्का, मोतियों का हार और अन्य दुर्लभ जेवर शामिल हैं। 62,500 पाउंड यानी 60 लाख रुपये से ज्यादा में नीलामी हुई। इस सप्ताह लंदन में आयोजित बोहमास इस्लामिक एंड इंडियन आर्ट सेल में इन आभूषणों को खरीदने के लिए कई दावेदार आए। जिंदन कौर ने अंग्रेजों के पंजाब पर कब्जे का कड़ा प्रतिकार किया था, लेकिन आखिरकार उन्हें भी आत्मसमर्पण करना पड़ा था। लाहौर स्थित महाराजा के खजाने से 600 से ज्यादा आभूषण जब्त कर लिए गए थे। महारानी को 1848 में नेपाल भागने से पहले कारागार में डाल दिया गया था। बोहमास सेल ने नीलाम की जा रही ज्वेलरी के साथ यह ऐतिहासिक ब्योरा दिया है। नीलामी में 19वीं सदी की कई अन्य बेशकीमती कलाकृतियां व आभूषण आदि भी शामिल हैं। नीलामीकर्ता फर्म के प्रमुख ऑलिवर व्हाइट के अनुसार महारानी जिंदन कौर के ये आभूषण ब्रिटिश सरकार ने उन्हें तब वापस लौटा दिए थे, जब उन्होंने अपने बेटे दुलीप सिंह के साथ लंदन में रहना कबूल कर लिया था।

ट्रंप का बाइडेन पर करारा वार, कहा- भ्रष्ट राजनीतिक करियर रहा, 47 साल से अमेरिकियों को धोखा दे रहे

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंद्वी और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन का राजनीतिक करियर भ्रष्ट होने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बाइडेन ने पिछले 47 साल में अमेरिकियों को धोखा देने के सिवा कुछ नहीं किया है। मिनेसोटा के रोचेस्टर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए 74 वर्षीय ट्रंप ने कहा कि बाइडेन सत्ता को लेकर आसक्त हैं। उन्होंने कहा, बाइडेन का गंदा, निष्प्रभावी और भ्रष्ट राजनीतिक करियर रहा है और उन्होंने गत 47 साल में अमेरिकियों को धोखा देने के अलावा कुछ नहीं किया है। वह आपकी आंखों में देखेंगे और मुड़ेंगे और फिर आपकी पीठ में छुरा घोपेंगे। वह केवल राजनीतिक ताकत के बारे में सोचते हैं।

जैक मा के एंट ग्रुप के आईपीओ की ब्रिटेन की जीडीपी के बराबर लगीं बोलियां

एजेंसी, नई दिल्ली। चीन के दिग्गज कारोबारी जैक मा के अलीबाबा की मालिकाना कंपनी एंट ग्रुप को हांगकांग और शंघाई में दोहरी सूचीबद्धता के लिए व्यक्तिगत निवेशकों से 3 ट्रिलियन डॉलर के ऑर्डर मिले हैं, जो ब्रिटेन की जीडीपी के बराबर है। 5 नवंबर को एंट ग्रुप के सूचीबद्ध होने की संभावना है। इसके ठीक दो दिन पहले अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होना है। एंट फाइनेंशियल ने इस IPO के जरिए 34.4 अरब डॉलर यानी 2.54 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था

दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ साबित होगा!

हांगकांग में बिडिंग इतनी जबरदस्त थी कि एक ब्रोकरेज के प्लैटफार्म को कुछ देर के लिए बंद करना पड़ा। इस प्लैटफार्म पर ऑर्डर्स की सूनामी आ गई थी। शंघाई में रीटेल कैटगरी में मांग सप्लाई से 870 गुना अधिक रही।

माना जा रहा है कि एंट ग्रुप का यह आईपीओ दुनिया का सबसे बड़ा आईपीओ साबित होगा। फिलहाल, यह रिकॉर्ड सऊदी अरब की सरकारी तेल कंपनी सऊदी अरामको के पास है, जिसने पिछले साल ही आईपीओ के जरिये 29.4 अरब डॉलर जुटाया था। इसके पहले 2014 में 25 अरब डॉलर जुटाकर अलीबाबा सबसे बड़ी आईपीओ वाली कंपनी बनी थी।

संस्थागत निवेशकों ने 76 अरब शेयर्स के ऑर्डर दिए

एंट के आईपीओ में संस्थागत निवेशकों ने 76 अरब शेयर्स के ऑर्डर दिए हैं। शंघाई फाइलिंग के मुताबिक, यह सार्वजनिक प्रस्ताव का 284 गुना है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रोकर्स इस कंपनी की आईपीओ के लिए व्यक्गित निवेशकों को उनके निवेश से 20 गुना तक ज्यादा रकम उधार देने के इच्छुक हैं। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि इसमें भारी जोखिम है क्योंकि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव, चीन में नियमों में सख्ती और दुनियाभर में कोरोना के बढ़ते मामलों से निवेशकों को नुकसान हो सकता है।

मार्केट वैल्यूएशन करीब 315 अरब डॉलर

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एंट ग्रुप की मार्केट वैल्यूएशन जेपी मॉर्गन और बैंक ऑफ अमेरिका से भी ज्यादा है। यह पेपाल होल्डिंग्स (238 अरब डॉलर) और वॉल्ट डिज्नी (238 अरब डॉलर) से भी बड़ी कंपनी है।

यह आईबीएम कार्प से यह कंपनी तीन गुना और गोल्डमैन ग्रुप से चार गुना बड़ी कंपनी है। एंट की मार्केट वैल्यूएशन करीब 315 अरब डॉलर आंकी गई है। इस कंपनी की वैल्यूएशन इजिप्ट (303 अरब डॉलर) और फिनलैंड (269 अरब डॉलर) की जीडीपी से भी ज्यादा है।

फ्रांस के खिलाफ मुस्लिम जगत में बढ़ा आक्रोश, दुनियाभर में हजारों लोग सड़कों पर उतरे

एजेंसी, दुबई। पाकिस्तान, लेबनान से लेकर फलस्तीनी क्षेत्र समेत कई अन्य जगहों पर हजारों मुसलमान फ्रांस के खिलाफ प्रदर्शन के लिए शुक्रवार को सड़कों पर उतरे। फ्रांस के राष्ट्रपति ने पैगंबर के कार्टून छापने के संबंध में अभिव्यक्ति के अधिकार की रक्षा का संकल्प लिया है जिसके बाद से मुस्लिम जगत में उबाल आ गया है। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में प्रदर्शन हिंसक हो गया जब करीब 2000 लोगों ने फ्रांस के दूतावास की ओर जाने की कोशिश की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठियां चलाई। पाकिस्तान के लाहौर में प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी की और कई सड़कों को रोक कर दिया। मुल्तान में प्रदर्शनकारियों ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों का पुतला जलाया। यरूशलम में सैकड़ों फिलस्तीनी ने अल अक्सा मस्जिद के बाहर मैक्रों के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान नारे लगाए, ''पैगंबर मोहम्मद के लिए हम कुर्बानी देंगे।'' पुलिस ने कहा कि उन्होंने भीड़ को तितर बितर कर दिया और तीन लोगों को हिरासत में लिया।

राजधानी बेरूत में भी लोगों ने प्रदर्शन किए। बांगलादेश की राजधानी ढाका में प्रदर्शन में करीब 50,000 लोग शामिल हुए और मैक्रों का पुतला फूंका। लोगों ने 'नस्लवाद' रोकने 'इस्लाम' के खिलाफ नफरत रोकने के नारे लगाए और फ्रांस के उत्पादों का बहिष्कार करने की अपील की।

कश्मीर पर विरोधी रुख अपना रहे तुर्की के खिलाफ भारत की कूटनीतिक मोर्चेबंदी, फ्रांस के साथ खड़े होकर दिया संदेश

नई दिल्ली। कश्मीर पर लगातार भारत विरोधी रुख अपना रहे तुर्की के खिलाफ भारत भी कूटनीतिक मोर्चेबंदी कर रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति के खिलाफ तुर्की और पाकिस्तान के अभियान के बाद भारत ने फ्रांस का आतंकवाद के मुद्दे पर पुरजोर समर्थन किया। अब भारत ने तुर्की और ग्रीस के बीच चल रही तनातनी में ग्रीस से बात की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ग्रीस के विदेश मंत्री से परस्पर सहयोग से जुड़े मुद्दों पर वर्चुअल बात की।

भारत अपने हितों के मद्देनजर सधे तरीके से कूटनीतिक कवायद कर रहा है। फ्रांस में आतंकी घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्वीट के अलावा भारत ने आधिकारिक बयान जारी करके फ्रांस के राष्ट्रपति पर व्यक्तिगत हमले का विरोध किया। इसके बाद भारत ने विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला को ऐसे वक्त पर फ्रांस की यात्रा पर भेजा जब कई इस्लामिक संगठन और देश राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो का जमकर विरोध कर रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि बीते कुछ सालों में फ्रांस भारत का बहुत ही महत्वपूर्ण सहयोगी बनकर उभरा है। भारत को हर मोर्चे पर फ्रांस से समर्थन मिला है।

फ्रांस में दोबारा लॉकडाउन का ऐलान होते ही पेरिस की सड़कों पर लग गया 700 किलोमीटर लंबा जाम

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए फ्रांस में दूसरे लॉकडाउन की घोषणा कर दी गई। सरकार ने कोरोना की दूसरी लहर से लड़ने के लिए ये कदम उठाया है। फ्रांस में गुरुवार शाम को लॉकडाउन की घोषणा हुई जिसके बाद से लोगों में हलचल मच गई। इसके बाद फ्रांस की राजधानी पेरिस में 700 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जान देखने को मिला। लोग अपना सामान लेकर अपने परिवार-दोस्तों के पास और जरूरी सामान खरीदने के लिए जा रहे थे। आस-पास के इलाकों को जोड़कर देखते हैं तो मालूम चलता है। ये जाम 700 किलोमीटर तक लंबा था। कहा जा रहा है इस लंबे जाम का कारण लगने वाला नया लॉकडाउन था। जिसकी वजह से लोगों को एक महीने तक अपने घर के अंदर रहना होगा। लोग इस घोषणा के प्रभावी होने से पहले ही अपनी गाड़ियां उठाकर निकल पड़े। जिस कारण ये जाम लग गया। जाम लगने का दूसरा बड़ा कारण था इस वीकेंड पर पड़ने वाला सेंट्स डे हॉलीडे। इसलिए लोगों ने जाने में ज्यादा तेजी दिखाई। फ्रांस में चिंताएं बढ़ रही थी कि बढ़ता संक्रमण देश की स्वास्थ्य प्रणाली को प्रभावित करेगा। इसलिए अधिकारियों ने शुक्रवार से चार सप्ताह के लॉकडाउन का आदेश दिया। इस दौरान जो सबसे ज्यादा व्यस्त जगहें थीं, वो किराना स्टोर और बाजार थे क्योंकि लोगों ने भोजन और अन्य आवश्यकताओं का स्टॉक किया था। फ्रांस के सभी 6,7 करोड़ लोगों को हर समय घर पर रहने का आदेश दिया गया है। इस दौरान कोई भी आने-जाने वाला किसी के घर नहीं जा सकता है। हां लेकिन घर के 1 किलोमीटर के भीतर एक दिन के व्यायाम के लिए एक घंटे के लिए बाहर जाने की अनुमति दी जा सकती है। इसके अलावा अस्पताल, काम की जगहों और जरूरी सामान खरीदने के लिए बाहर जाया जा सकता है। रेस्तरां और कैफे बंद कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री जीन कास्टेक्स ने गुरुवार को कहा, दोस्तों के घरों में जाना, दोस्तों के पास जाना और निर्धारित कारणों के अलावा किसी भी चीज के लिए घूमना असंभव होगा।

कई लोगों के लिए मुश्किल की घड़ी

मैक्सिको से आई मशहूर ब्यूटी ब्रांड लोरियल में इंटर्न के तौर पर काम करने वाली 28 साल की लौरा बेइमबर्ग ने कहा, यह अच्छा नहीं है मैंने अपने देश को दूसरे देश में रहने का अनुभव लेने के लिए छोड़ा था और परिवार और दोस्तों से दूर चार दीवारों के बीच होने का यह अनुभव बहुत कठिन है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने देश भर में संक्रमणों में तेजी से वृद्धि को रोकने के लिए एक अंतिम उपाय के रूप में लॉकडाउन को लागू किय।

भारत-अमेरिका की दोस्ती देख फिर पाक को लगी मिर्ची

इस्लामाबाद। भारत और अमेरिकी की बढ़ती नजदीकियां पाकिस्तान को कभी रास नहीं आई हैं। हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो के भारत दौरे से तिलमिलाए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक तरह से अमेरिका को चेताया है और कहा कि जम्मू और कश्मीर एक हॉटस्पॉट बन चुका है और यह कभी भी धधक (भड़क) सकता है। इसलिए अमेरिका को कश्मीर मसले पर निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। पाकिस्तान के जियो टीवी ने इस बात की जानकारी दी है। दरअसल, अमेरिकी विदेश मंत्री पोम्पियो रक्षा मंत्री मार्क टी. एस्पर संग सोमवार को भारत के साथ 2+2 के तीसरे दौर की वार्ता के लिए भारत आए

थे, जिस दौरान कई अहम समझौतों पर दस्तखत भी हुए। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भारत द्वारा उठाए गए कदमों पर चिंता व्यक्त करते हुए पाकिस्तान प्रधानमंत्री इमरान खान ने चेतावनी दी है कि यह क्षेत्र एक हॉटस्पॉट है जो किसी भी समय धधक सकता है। पाकिस्तान संयुक्त राज्य अमेरिका से 'समान' व्यवहार का आग्रह करता है। ऐसा माना जा रहा है कि इमरान खान का यह बयान कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाए जाने और राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के संदर्भ में है।

जर्मन मैग्जीन के साथ बातचीत में इमरान खान ने कहा कि अमेरिका को यह लगता है कि भारत इस क्षेत्र में चीन के प्रभाव को सीमित कर सकता है, मगर यह कोरी कल्पना है। इमरान ने कहा कि इस्लामाबाद अमेरिका से भारत के संबंध में विशेष रूप से कश्मीर मसले पर समान ट्रीटमेंट की अपेक्षा करता है। भारत-अमेरिकी की दोस्ती से पाकिस्तान को ऐसी मिर्ची लगी कि उसने भारत को पड़ोसी देशों के लिए खतरा बता दिया। इमरान खान ने अपने इंटरव्यू में कहा, 'भारत अपने पड़ोसी देशों मसलन चीन, बांग्लादेश, श्रीलंका के लिए खतरा है, यहां तक कि हमारे लिए भी।' इमरान ने भारत पर आरोप लगाया कि यह उपमहाद्वीप में सबसे चरमपंथी नस्लवादी सरकार है। यह 1920 और 30 के दशक में नाजियों से प्रेरित एक फासीवादी राज्य है। कश्मीर के संदर्भ में इमरान खान ने कहा कि यह क्षेत्र एक हॉटस्पॉट है, जो किसी भी समय भड़क सकता है। इसलिए दुनिया के सबसे मजबूत देश अमेरिका से हम यह उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका में जो भी राष्ट्रपति बने, उसे यह मसला सौंपा जाए। भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस पर हमला बोलते हुए इमरान खान ने कहा कि आप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लेखन को पढ़ें, उन्होंने हिटलर की खुलकर प्रशंसा की है। नाजियों ने यहूदियों से छुटकारा पाना चाहा और आरएसएस मुसलमानों के भारत से छुटकारा चाहता था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करवा चौथ ?

क्या है व्रत का महत्व

कार्तिक मास कि चतुर्थी के दिन विवाहित महिलाओं द्वारा करवा चौथ का व्रत किया जाता है। करवा का अर्थात मिट्टी के जल–पात्र कि पूजा कर चंद्रमा को अर्घ्य देने का महत्व हैं। इसीलिए यह व्रत करवा चौथ नाम से जाना जाता हैं। इस दिन पत्नी अपने पति की दीर्घायु के लिये मंगलकामना और स्वयं के अखंड सौभाग्य रहने कि कामना करती हैं।

करवा चौथ के पूरे दिन पत्नी द्वारा उपवास रखा जाता हैं। इस दिन रात्रि को जब आकाश में चंद्रय उदय से पूर्व सोलह सृंगार कर चंद्र निकलने कि प्रतिक्षा करती हैं। व्रत का समापन चंद्रमा को अर्घ्य देकर किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से महिलाएं अखंड सौभाग्यवती होती हैं और उनका पति दीर्घायु होता है।

यदि इस व्रत को पालन करने वाली पत्नी अपने पति के प्रति मर्यादा से,विनम्रता से,समर्पण के भाव से रहे और पति भी अपने समस्त कर्तव्य एवं धर्म का पालन सुचारु रुप से पालन करें, तो एसे दंपत्ति के जीवन में सभी सुख-समृद्धि हमेशा बनी रहती है।

पौराणिक कथा

ऐसी मान्यता हैं, कि भगवान श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को यह व्रत का महत्व बताया था। पांडवों के वनवास के दौरान अर्जुन तप करने के लिए इंद्रनील पर्वत पर चले गए। बहुत दिन बीत जाने के बाद भी जब अर्जुन नहीं लौटे तो द्रोपदी को चिंता होने लगी। जब श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को चिंतित देखा तो फौरन चिंता का कारण समझ गए। फिर भी श्रीकृष्ण ने द्रोपदी से कारण पूछा तो उसने यह चिंता का कारण श्रीकृष्ण के सामने प्रकट कर दिया। तब श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को करवाचौथ व्रत करने का विधान बताया। द्रोपदी ने श्रीकृष्ण से व्रत का विधि-विधान जान कर व्रत किय और उसे व्रत का फल मिला, अर्जुन सकुशल पर्वत पर तपस्या पूरी कर शीघ्र लौट आए।

करवा चौथ के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठ कर स्नान कर स्वच्छ कपडे पहन कर करवा की पूजा-आराधना कर उसके साथ शिव-पार्वती कि पूजा का विधान हैं। क्योकि माता पार्वती नें कठिन तपस्या कर के शिवजी को प्राप्त कर अखंड सौभाग्य प्राप्त किया था। इस लिये शिव-पार्वती कि पूजा कि जाती हैं।

करवा चौथ के दिन चंद्रमा कि पूजा का धार्मिक और ज्योतिष दोनों ही द्रष्टि से महत्व है।

जो चंद्रमा में पुरुषरूपी ब्रह्मा कि उपासना करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं, उसे जीवन में किसी प्रकार का कष्ट नहीं होता। उसे लंबी और पूर्ण आयु कि प्राप्ति होती हैं।

ज्योतिष दृष्टि से चंद्रमा मन का कारक देवता हैं। अतः चंद्रमा चंद्रमा कि पूजा करने से मन की चंचलता पर नियंत्रित रहता हैं। चंद्रमा के शुभ होने पर से मन प्रसन्न रहता हैं और मन से अशुद्ध विचार दूर होकर मन में शुभ विचार उत्पन्न होते हैं। क्योकि शुभ विचार ही मनुष्य को अच्छे कर्म करने हेतु प्रेरित करते हैं। स्वयं के द्वारा किये गई गलती या एवं अपने दोषों का स्मरण कर पति, सास-ससुर और बुजुर्गो के चरणस्पर्श इसी भाव के साथ करें कि इस साल ये गलतियां फिर नहीं हों।

करवा चौथ की कथा

बहुत समय पहले की बात है, एक साहूकार के सात बेटे और उनकी एक बहन करवा थी। सभी सातों भाई अपनी बहन से बहुत प्यार करते थे। यहाँ तक कि वे पहले उसे खाना खिलाते और बाद में स्वयं खाते थे। एक बार उनकी बहन ससुराल से मायके आई हुई थी।

शाम को भाई जब अपना व्यापार–व्यवसाय बंद कर घर आए तो देखा उनकी बहन बहुत व्याकुल थी। सभी भाई खाना खाने बैठे और अपनी बहन से भी खाने का आग्रह करने लगे,

लेकिन बहन ने बताया कि उसका आज करवा चौथ का निर्जल व्रत है और वह खाना सिर्फ चंद्रमा को देखकर उसे अर्घ्य देकर ही खा सकती है। चूँकि चंद्रमा अभी तक नहीं निकला है, इसलिए वह भूख–प्यास से व्याकुल हो उठी है।

सबसे छोटे भाई को अपनी बहन की हालत देखी नहीं जाती और वह दूर पीपल के पेड़ पर एक दीपक जलाकर चलनी की ओट में रख देता है। दूर से देखने पर वह ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चतुर्थी का चाँद उदित हो रहा हो।

इसके बाद भाई अपनी बहन को बताता है कि चाँद निकल आया है, तुम उसे अर्घ्य देने के बाद भोजन कर सकती हो। बहन खुशी के मारे सीढ़ियों पर चढ़कर चाँद को देखती है, उसे अर्घ्य देकर खाना खाने बैठ जाती है। वह पहला टुकड़ा मुँह में डालती है तो उसे छींक आ जाती है। दूसरा टुकड़ा डालती है तो उसमें बाल निकल आता है और जैसे ही तीसरा टुकड़ा मुँह में डालने की कोशिश करती है तो उसके पति की मृत्यु का समाचार उसे मिलता है। वह बौखला जाती है।

उसकी भाभी उसे सच्चाई से अवगत कराती है कि उसके साथ ऐसा क्यों हुआ। करवा चौथ का व्रत गलत तरीके से टूटने के कारण देवता उससे नाराज हो गए हैं और उन्होंने ऐसा किया है। सच्चाई जानने के बाद करवा निश्चय करती है कि वह अपने पति का अंतिम संस्कार नहीं होने देगी और अपने सतीत्व से उन्हें पुनर्जीवन दिलाकर रहेगी। वह पूरे एक साल तक अपने पति के शव के पास बैठी रहती है। उसकी देखभाल करती है। उसके ऊपर उगने वाली सूईनुमा घास को वह एकत्रित करती जाती है।

एक साल बाद फिर करवा चौथ का दिन आता है। उसकी सभी भाभियाँ करवा चौथ का व्रत रखती हैं। जब भाभियाँ उससे आशीर्वाद लेने आती हैं तो वह प्रत्येक भाभी से 'यम सूई ले लो, पिय सूई दे दो, मुझे भी अपनी जैसी सुहागिन बना दो' ऐसा आग्रह करती है, लेकिन हर बार भाभी उसे अगली भाभी से आग्रह करने का कह चली जाती है।

इस प्रकार जब छठे नंबर की भाभी आती है तो करवा उससे भी यही बात दोहराती है। यह भाभी उसे बताती है कि चूँकि सबसे छोटे भाई की वजह से उसका व्रत टूटा था अतः उसकी पत्नी में ही शक्ति है कि वह तुम्हारे पति को दोबारा जीवित कर सकती है, इसलिए जब वह आए तो तुम उसे पकड़ लेना और जब तक वह तुम्हारे पति को जिंदा न कर दे, उसे नहीं छोड़ना। ऐसा कह के वह चली जाती है।

सबसे अंत में छोटी भाभी आती है। करवा उनसे भी सुहागिन बनने का आग्रह करती है, लेकिन वह टालमटोली करने लगती है। इसे देख करवा उन्हें जोर से पकड़ लेती है और अपने सुहाग को जिंदा करने के लिए कहती है। भाभी उससे छुड़ाने के लिए नोचती है, खसोटती है, लेकिन करवा नहीं छोड़ती है।

अंत में उसकी तपस्या को देख भाभी पसीज जाती है और अपनी छोटी अँगुली को चीरकर उसमें से अमृत उसके पति के मुँह में डाल देती है। करवा का पति तुरंत श्रीगणेश–श्रीगणेश कहता हुआ उठ बैठता है। इस प्रकार प्रभु कृपा से उसकी छोटी भाभी के माध्यम से करवा को अपना सुहाग वापस मिल जाता है। हे श्री गणेश माँ गौरी जिस प्रकार करवा को चिर सुहागन का वरदान आपसे मिला है, वैसा ही सब सुहागिनों को मिले।

करवा चौथ व्रत की पूजन विधि

हिंदू सनातन पद्धति में करवा चौथ सुहागिनों का महत्वपूर्ण त्योहार माना गया है। इस पर्व पर महिलाएं हाथों में मेहंदी रचाकर, चूड़ी पहन व सोलह श्रृंगार कर अपने पति की पूजा कर व्रत का पारायण करती हैं।

सुहागिन या पतिव्रता स्त्रियों के लिए करवा चौथ बहुत ही महत्वपूर्ण व्रत है। यह व्रत कार्तिक कृष्ण की चंद्रोदय व्यापिनी चतुर्थी को किया जाता है। यदि दो दिन की चंद्रोदय व्यापिनी हो या दोनों ही दिन, न हो तो 'मातृविद्धा प्रशस्यते' के अनुसार पूर्वविद्धा लेना चाहिए।

स्त्रियां इस व्रत को पति की दीर्घायु के लिए रखती हैं। यह व्रत अलग-अलग क्षेत्रों में वहां की प्रचलित मान्यताओं के अनुरूप रखा जाता है, लेकिन इन मान्यताओं में थोड़ा-बहुत अंतर होता है। सार तो सभी का एक होता है पति की दीर्घायु।

करवा चौथ व्रत विधि

- करवा चौथ की आवश्यक संपूर्ण पूजन सामग्री को एकत्र करें।
- व्रत के दिन प्रातः स्नानादि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ व्रत का आरंभ करें- 'मम सुखसौभाग्य पुत्रपौत्रादि सुस्थिर श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये।'
- पूरे दिन निर्जला रहें।
- दीवार पर गेरू से फलक बनाकर पिसे चावलों के घोल से करवा चित्रित करें। इसे वर कहते हैं। चित्रित करने की कला को करवा धरना कहा जाता है।
- आठ पूरियों की अठावरी बनाएं। हलुआ बनाएं। पक्के पकवान बनाएं।
- पीली मिट्टी से गौरी बनाएं और उनकी गोद में गणेशजी बनाकर बिठाएं।
- गौरी को लकड़ी के आसन पर बिठाएं। चौक बनाकर आसन को उस पर रखें। गौरी को चुनरी ओढ़ाएं। बिंदी आदि सुहाग सामग्री से गौरी का श्रृंगार करें।
- जल से भरा हुआ लोटा रखें।
- वायना (भेंट) देने के लिए मिट्टी का टोंटीदार करवा लें। करवा में गेहूं और ढक्कन में शक्कर का बूरा भर दें। उसके ऊपर दक्षिणा रखें।
- रोली से करवा पर स्वस्तिक बनाएं।
- गौरी-गणेश और चित्रित करवा की परंपरानुसार पूजा करें। पति की दीर्घायु की कामना करें।

नमः शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं संतति शुभाम्।
प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे॥

- करवा पर 13 बिंदी रखें और गेहूं या चावल के 13 दाने हाथ में लेकर करवा चौथ की कथा कहें या सुनें।
- कथा सुनने के बाद करवा पर हाथ घुमाकर अपनी सासुजी के पैर छूकर आशीर्वाद लें और करवा उन्हें दे दें।
- तेरह दाने गेहूं के और पानी का लोटा या टोंटीदार करवा अलग रख लें।
- रात्रि में चन्द्रमा निकलने के बाद छलनी की ओट से उसे देखें और चन्द्रमा को अर्घ्य दें।
- इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। उन्हें भोजन कराएं और स्वयं भी भोजन कर लें।

पूजन के पश्चात आस-पड़ोस की महिलाओं को करवा चौथ की बधाई देकर पर्व को संपन्न करें।

भारत भर में मनाया जाता है करवा चौथ

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चौथी तिथि को सदियों से करवा चौथ के रूप में मनाया जाता है। इसे करक, करवा, करूआ या करूवा अनेक नामों से जाना जाता है। कई स्थानों पर इसे करवा गौर के नाम से भी पहचाना जाता है।

करवा मिट्टी या धातु से बने हुए लौटे के आकर के एक पात्र को कहते हैं, जिसमें टोंटी लगी होती है। करवा चौथ का व्रत स्त्रियां अपने सुखमय दाम्पत्य जीवन के लिए रखती हैं। शास्त्रों में दो विशिष्ट संदर्भों की वजह से करवा चौथ व्रत के पुरातन स्वरूप का प्रमाण मिलता है। इस व्रत के साथ शिव-पार्वती के उल्लेख की वजह से इसके अनादिकाल का पता चलता है।

संपूर्ण भारत में, विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी भारत में करवा चौथ का व्रत मनाया जाता है। निर्जला एकादशी व्रत की तरह यह व्रत भी निराहार व निर्जला होता है।

ऐसा माना जाता है कि यह व्रत सिर्फ विवाहिता स्त्रियों के लिए है परंतु अविवाहित कन्याओं द्वारा भी इस व्रत को किए जाने के प्रमाण उपलब्ध हैं। फर्क सिर्फ इतना ही है कि सौभाग्यवती महिलाएं चंद्रदर्शन के पश्चात व्रत तोड़ती हैं और कन्याएं आसमान में पहले तारे के दर्शन के बाद व्रत समाप्त करती हैं। संभव है कि लोकोक्ति 'पहला तारा मैंने देखा, मेरी मर्जी पूरी' इस व्रत के कारण ही शुरू हुई हो। करवा चौथ व्रत में शिव, पार्वती, कार्तिकेय और चंद्रमा की पूजा की जाती है। इस व्रत के लिए चंद्रोदय के समय चतुर्थी होना जरूरी माना गया है। इस व्रत में करवे का विशेष रूप से प्रयोग होता है। महिलाएं दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं और चंद्रोदय के बाद भोजन-जल ग्रहण करती हैं। करवे में पकवान भरे जाते हैं या पताशे रखे जाते हैं और उन्हें दान में दिया जाता है। कई स्थानों पर चावल से बने व्यंजन भी रखे जाते हैं।

इसी दिन शाकप्रस्थपुर के वेदधर्मा ब्राह्मण की विवाहिता पुत्री वीरवती की कथा सुनाई जाती है, जिसने यह व्रत किया था और पुनः अपने पति को प्राप्त किया था। दीवारों पर या जमीन पर सूर्य, चंद्र और करवे के चित्र बनाए जाते हैं।

करवे को चावल व अलग-अलग रंगों से आवृत्तियां बनाकर सजाया जाता है। करवे की टोंटी में सरकंडे की सीकें लगाई जाती हैं। टोंटीवाले करवे के लोटे का चयन संकल्प व आचमन हेतु जल निकालने के लिए किया जाना, संभव है इस व्रत के पूर्व में ही विद्यमान रहा होगा

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बिहार की जनता से मायावती की अपील, बसपा गठबंधन को भी एक मौका दे ताकि विकास कर सकें

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती ने बिहार में हो रहे विधानसभा चुनाव में जनता से अपनी पार्टी के गठबंधन को मौका देने की अपील की है। मायावती ने रविवार को किए गए सिलसिलेवार ट्वीट में कहा बिहार विधानसभा आम चुनाव के अंतर्गत दूसरे चरण में 94 सीटों पर प्रचार की प्रक्रिया आज समाप्त होने के साथ ही तीन नवंबर को मतदान पर समग्र ध्यान केन्द्रित है। मतदाताओं से अपील है कि उन्होंने जद-यू और राजद गठबंधन की सरकारों को बहुत आजमाया है। अब हमारे नए गठबंधन को एक मौका जरूर दें। गौरतलब है कि बिहार की 80 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही बसपा ने राष्ट्रीय लोक समाज पार्टी से गठबंधन किया है। मायावती ने आगामी तीन नवंबर को उत्तर प्रदेश की सात और मध्य प्रदेश की 28 विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में भी जनता से बसपा को जीत दिलाकर विरोधियों को सही राजनीतिक संदेश देने की अपील की है। उन्होंने ट्वीट कर कहा उत्तर प्रदेश की सात और मध्य प्रदेश की 28 विधानसभा सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव हेतु प्रचार की आज समाप्ति के साथ ही आगामी तीन नवंबर के मतदान पर सभी का ध्यान केन्द्रित है। मतदाताओं से अपील है कि वे बीएसपी के उम्मीदवारों को सफल बनाकर यहाँ विरोधियों को सही राजनीतिक संदेश दें।

अशोभनीय टिप्पणी के लिए चुनाव के बाद कांग्रेस विधायक को जेल भेजूंगा : सरमा

गुवाहाटी। असम के मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि यदि भाजपा आने वाले विधानसभा चुनाव में दोबारा सत्ता में आती है तो कांग्रेस विधायक शेरमन अली अहमद को उनकी अशोभनीय टिप्पणियों के लिए जेल भेजा जाएगा। अहमद ने हाल ही में यहां स्थित श्रीमंत कलाक्षेत्र में प्रस्तावित संग्रहालय के लिए मिया संग्रहालय शब्द का इस्तेमाल कर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था। सरमा ने आरोप लगाया कि संशोधित नागरिकताकानून को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद से ही कांग्रेस की नजरें कलाक्षेत्र पर हैं। अहमद ने कहा था कि चार-चापोरी नदी क्षेत्र में प्रस्तावित संग्रहालय तत्कालीन पूर्वी बंगाल के उन बंगाली मुसलमानों की परंपरा और संस्कृति को प्रदर्शित करेगा जो असम के नदी क्षेत्र में बसे हुए हैं। इस बयान के बाद असम में राजनीतिक बयानबाजी का दौर शुरू हो गया था। सरमा ने प्रेसवार्ता में कहा, जब अहमद से पूछा गया कि मिया म्यूजियम में क्या प्रदर्शित किया जा सकता है तो उन्होंने ढिठाई के साथ कहा कि नीली लुंगियां। उन्हें ऐसा बयान देने के लिए माफ नहीं किया जाएगा क्योंकि यह हमारे वैष्णव गुरु शंकरदेव ओर महादेव का अपमान है। उन्होंने कहा कि विधायक को बख्शा नहीं जाएगा और अगर उन्होंने सार्वजनिक तौर पर माफी नहीं मांगी तो चुनाव के बाद उन्हें जेल भेजा जाएगा। यह वादा मैं असम के लोगों से कर रहा हूं। यह पूछे जाने पर कि सरकार चुनाव का इंतजार क्यों करेगी? तो मंत्री ने कहा, यदि अभी हम ऐसा करते हैं तो वह (अहमद) विधानसभा चुनाव में कुछ अतिरिक्त वोट प्राप्त कर लेंगे और हम उन्हें लाभ नहीं देना चाहते।

अखिलेश यादव का योगी सरकार पर हमला, कहा- उत्तर प्रदेश में न दलित उत्पीड़न रुक रहा और न अपराध

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शनिवार को अपराध की घटनाओं को लेकर सोशल मीडिया के ज़रिए राज्य की भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश ने सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में कहा, उप्र में न दलित उत्पीड़न रूक रहा है और न ही अपराध। अमेठी में एक दलित प्रधान के पति को ज़दि जलाने व घाटमपुर में पुलिस की संलिप्तता से हत्या की दुर्दान्त घटना हुई है।' अखिलेश ने बिना नाम लिए प्रदेश सरकार के मुखिया को सलाह दिया, अगर स्टार प्रचारक प्रदेश प्रधान जी को समय हो तो दलित-अपराध पर भी स्टार विचारक की भूमिका निभाएं।

समाजवादी पार्टी ने कसा योगी सरकार पर तंज, कहा- बस कानून बना रहे, कानून-व्यवस्था नहीं सम्भाल पा रहे

बलिया (उप्र)। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सपा और प्रतिपक्ष के नेता राम गोविंद चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने के ऐलान पर तंज करते हुए रविवार को कहा कि योगी केवल कानून बना रहे हैं और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब हो रही है। चौधरी ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तथाकथित लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने के ऐलान पर कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ केवल कानून ही तो बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार अपराध पर नियंत्रण करने में नाकाम रही है तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति लगातार खराब हो रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या योगी के राज में हत्या और बलात्कार की घटनाएं थम गयी हैं? मुख्यमंत्री के देवरिया में सपा पर अपराध को लेकर लगाये गए आरोप पर चौधरी ने कहा कि योगी 24 घण्टे असत्य ही बोलते हैं। उन्होंने योगी पर हिटलर के नक्शेकदम पर कार्य करने का आरोप भी लगाया। सरकार पर प्रदेश की सात विधानसभा सीटों पर तीन नवम्बर को होने वाले उपचुनाव में प्रशासनिक मशीनरी के दुरुपयोग और पार्टी कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों का उत्पीड़ित करने के आरोप लगाते हुए उन्होंने दावा किया कि इसके बावजूद सभी सीटों पर सपा उम्मीदवार मजबूत स्थिति में हैं।

पुलवामा हमले पर पड़ोसी देश के कबूलनामे से अफवाह फैलाने वालों के चेहरे से नकाब हट गया : पीएम मोदी

छपरा। (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को बिहार में एक चुनाव रैली में पुलवामा हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जब देश के जवान शहीद हुए थे तो उस वक्त सत्ता एवं स्वार्थ की राजनीति करने वालों ने खूब भ्रम फैलाने की कोशिश की और ऐसे लोग आज वोट मांग रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यहां एक रैली को संबोधित करते हुए विपक्ष पर निशाना साधा और कहा, 'दो-तीन दिन पहले पड़ोसी देश ने पुलवामा हमले की सच्चाई को स्वीकारा है। इस सच्चाई ने उन लोगों के चेहरे से नकाब हटा दिया, जो हमले के बाद अफवाएं फैला रहे थे।'

मोदी ने किसी का नाम लिए बिना कहा, 'ये लोग देश के दुख में दुखी नहीं थे, ये बिहार के नौजवानों के गुजर जाने पर दुखी नहीं थे।'' उन्होंने कहा कि देश के वीर जवानों, वीर बेटे-बेटियों के शौर्य और शूरता पर बिहार को, संपूर्ण देश को रत्तीभर भी संदेह नहीं रहा, लेकिन 'सत्ता और स्वार्थ की राजनीति करने वालों' ने खूब भ्रम फैलाने की कोशिश की। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज वही लोग बिहार के लोगों के सामने आकर अपने लिए वोट मांग रहे हैं।'

उन्होंने कहा कि देश में चौतरफा हो रहे विकास के बीच, आप सभी को उन ताकतों से भी सावधान रहना है, जो अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए देशहित के खिलाफ जाने से भी बाज नहीं आतीं। विपक्ष के कुछ नेताओं पर परोक्ष निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि ये वो लोग हैं जो देश के वीर जवानों के बलिदान में भी अपना फायदा देखने लगते हैं। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पाकिस्तान की इमरान खान सरकार के मंत्री फवाद चौधरी के वहां की संसद में पुलवामा हमले को लेकर दिए गए बयान का जिक्र कर रहे थे।

फवाद ने पाकिस्तानी संसद में कहा था कि पुलवामा हमला उनकी सरकार के कार्यकाल की बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान अपनी सरकार के विकास कार्यों और बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली राजग सरकार के कल्याण कार्यों का भी जिक्र किया। उन्होंने बिहार की जनता से अपील की कि राज्य विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे, इसके लिए नीतीश कुमार के नेतृत्व में राजग को जनादेश दें। मोदी ने कहा कि एक तरफ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति का आरक्षण आने वाले 10 साल तक के लिए बढ़ा दिया गया है तो वहीं, सामान्य वर्ग के गरीब बच्चों को भी 10 प्रतिशत आरक्षण दे दिया गया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ व्यापारी वर्ग के लिए राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाया गया है, तो वहीं पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं का विकास, उनका रोजगार, गरीबों, दलितों का, पिछड़ों का विकास....राजग सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, 'हमने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र पर चलते हुए बिना भेदभाव, सभी को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया है।' युवाओं को जोड़ने का प्रयास करते हुए मोदी ने कहा कि यह सच है कि बिहार के हज़ारों युवाओं का अलग-अलग प्रतियोगिताओं की कोचिंग और तैयारी में ऊर्जा, समय और पैसा दोनों लगता है। अब रेलवे, बैंकिंग और ऐसी अनेक सरकारी भर्तियों के लिए एक ही प्रवेश परीक्षा की व्यवस्था की जा रही है। कोरोना वायरस से संबंधित महामारी से निपटने के प्रयासों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि दुनिया में आज कोई ऐसा नहीं है, जिसे कोरोना ने प्रभावित न किया हो, जिसका इस महामारी ने नुकसान न किया हो।

उन्होंने कहा कि राजग सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण की शुरुआत से ही प्रयास किया है कि वह इस संकटकाल में देश के गरीब, बिहार के गरीब के साथ खड़ी रहे। मोदी ने कहा कि राजग सरकार ने सुनिश्चित किया कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी गरीबों के घरों में चूल्हा जलता रहे। उन्होंने यह भी कहा कि पहले चरण के मतदान से साफ नजर आ रहा है कि 'नीतीश बाबू के नेतृत्व में राजग की सरकार दोबारा बनने जा रही है।' मोदी ने कहा कि बिहार चुनाव के पहले चरण में राजनीतिक पंडित गलत साबित हुए और यहां कोविड-19 के बावजूद बड़ी संख्या में लोग मतदान करने निकले।

बुंदेलखण्ड को नया राज्य बनाने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री को लिखा खून से खत

महोबा (उप्र)। बुंदेलखण्ड को अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रविवार को इस सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक बार फिर अपने खून से खत लिखा। अलग बुंदेलखण्ड राज्य की मांग को लेकर 635 दिन तक क्रमिक अनशन करने वाले बुंदेली समाज संगठन के संयोजक तारा पाटकर के नेतृत्व में महोबा शहर के आल्हा चौक में बुंदेली कार्यकर्ताओं ने रविवार को एक नवंबर-काला दिवस का आयोजन किया। इस दौरान सभी लोग काला कपड़ा पहने हुए थे और मुंह में काला मास्क भी लगाए थे। पाटकर ने को बताया कि बुंदेली बाशिंदे बुंदेलखण्ड को अलग राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर अपने खून से यह 10वीं बार खत लिख रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक नवम्बर 1956 को जब मध्य प्रदेश राज्य का गठन हुआ था, तब उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बांटकर भारत के मानचित्र से बुंदेलखण्ड का नामोनिशान मिटा दिया गया, तभी से बुंदेलखण्ड इन दो राज्यों के बीच पिस रहा है। आज बुंदेलखण्ड के किसानों के हालात महाराष्ट्र के विदर्भ से भी ज्यादा बुरे हैं। पाटकर ने कहा 10वीं बार खून से खत लिखकर हमने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी उमा भारती द्वारा किया गया वह वादा याद दिलाया है, जिसमें उमा भारती ने झांसी सीट से चुनाव लड़ते समय कहा था कि यदि केंद्र में भाजपा की सरकार बनी तो बुंदेलखंड़ को अलग राज्य घोषित किया जाएगा।

बिहार में जे पी नड्डा ने कहा- पुलवामा और कश्मीर पर राहुल सहित कुछ नेताओं के बयान दुखद

पटना। (एजेंसी)।

भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि सरदार पटेल से प्रेरणा लेते हुए देश को संभालना सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन यह दुखद है कि कश्मीर पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का बयान लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान संयुक्त राष्ट्र में जाते हैं और पुलवामा की घटना के बाद देश के ही नेता ही सवाल उठाते हैं। स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर यहां प्रदेश भाजपा के बुद्धिजीवि समागम को संबोधित कर रहे नड्डा ने कहा कि सरदार पटेल कांग्रेस पार्टी से थे और उनकी प्रतिमा कांग्रेस को लगाना चाहिए था।

उन्होंने कहा ''लेकिन सरदार पटेल की एक गगनचुंबी प्रतिमा का निर्माण नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने कराया। लाखों लोग वहां जाकर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देते हैं, लेकिन कांग्रेस का नेता वहां नहीं जाते।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा '' जब आज 31 अक्टूबर को सरदार पटेल की जयंती है तो कांग्रेस के लोग धरना देते हैं। धरना देना ही था तो एक तारीख को देते।'' नड्डा ने कहा, '' हम सरदार पटेल से प्रेरणा लेते हैं। इस देश को संभालकर रखना हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन दुख होता है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष का बयान लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान संयुक्त राष्ट्र में जाते हैं।'' उन्होंने कहा '' पुलवामा की घटना के बाद देश के नेता ही सवाल उठाते हैं और बाद में सबूत मांगते हैं।ये क्या स्थिति आ गई है?'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा '' पुलवामा आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने की स्वीकारोक्ति पाकिस्तान के ही मंत्री कर रहे हैं, लेकिन हमारे नेता सबूत मांगते रहे।'' उन्होंने कांग्रेस के शशि थरूर और मणिशंकर अय्यर के बयानों का भी उल्लेख किया और कहा कि मोदी का विरोध करते करते कांग्रेस के नेता देश का विरोध करने लगते हैं। आजादी के बाद भारत के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल के योगदान का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा'' सही मायने में भारत को एक करने का काम सरदार पटेल ने किया था और जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 के रूप में जो एक समस्या रह गई थी, उसका समाधान नरेन्द्र मोदी ने किया। अब एक देश में एक विधान, एक निशान और एक प्रधान साकार हो गया है।'' नड्डा ने कहा, '' नीयत अच्छी रहे, तो नीति अच्छी रहेगी ही।सरदार पटेल की नीयत अच्छी थी, तो उनकी नीतियां अच्छी बनीं। जम्मू कश्मीर के बारे में हमारी नीयत अच्छी थी, तो वहां के लिए अच्छी नीति भी बनी है।'' विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कुछ लोग बिहार का विकास रोकना चाहते हैं, वे जंगलराज चाहते हैं। तेजस्वी यादव के 10 लाख नौकरी देने के वादे पर तंज करते हुए नड्डा ने कहा कि उनके पिता की सरकार के दौरान कम से कम 20 लाख लोग राज्य से पलायन कर गए और अब राजद नेता 10 लाख नौकरी देने का वादा कर रहे हैं। उन्होंने कहा '' नरेंद्र मोदी के आने के बाद देश की राजनीति का स्वरूप बदला है और राजद जैसी पार्टी भी आज संकल्पपत्र निकालने लगी हैं... ये बदला हुआ बिहार है।नहीं तो इनका संकल्प पत्र सिर्फ यही होता था- न खाता न बही, जो कहें वही सही।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अराजक राजद, विध्वसंकारी भाकपा माले और कांग्रेस से विकास की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

राजनाथ सिंह ने कहा- नफरत भरे भाषण देश के स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अच्छे नहीं

पटना/नयी दिल्ली। देश में राजनीतिक विमर्श के गिरते स्तर पर चिंता ज़ाहिर करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ''लोगों के बीच नफरत फैलाकर चुनाव लड़ा और जीता नहीं जाना चाहिए'' और एक स्वस्थ लोकतंत्र में 'कड़वाहट भरी और अप्रिय टिप्पणी' की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भरोसा भी जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) बिहार विधानसभा चुनाव जीतेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि चिराग पासवान नीत लोक जनशक्ति पार्टी के बिहार में राजग से बाहर होने का असर सत्तारूढ़ गठबंधन की चुनाव संभावनाओं पर नहीं पड़ेगा। सिंह ने इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि पासवान की पार्टी के साथ कोई गुप्त समझौता है। उन्होंने कहा कि भाजपा साथ सुथरी राजनीति में विश्वास रखती है और लोगों के विश्वास से खिलवाड़ नहीं करती। उन्होंने कहा, ''चिराग और उनकी पार्टी (लोजपा) के गठबंधन से बाहर होने के अपने कारण हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि लोजपा का कोई असर बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा-जद(यू) गठबंधन पर पड़ेगा। हमारा गठबंधन चुनाव जीतेगा और राज्य में अगली सरकार बनाएगा।''

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज बोले- 'लव जिहाद' के खिलाफ ला सकते हैं कानून

चंडीगढ़। (एजेंसी)।

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार ''लव जिहाद'' के खिलाफ कानून लाने पर विचार कर रही है। विज ने एक ट्वीट में कहा, ''हरियाणा में लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने पर विचार किया जा रहा है।'' उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा था कि वह 'लव जिहाद' को सख्ती से रोकने के लिए प्रभावी कानून बनाएंगे। उन्होंने चेतावनी दी थी कि जो लोग बहू-बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ करते हैं, वे अगर सुधरे नहीं तो 'राम नाम सत्य है' की उनकी अंतिम यात्रा निकलने वाली है।

उत्तर प्रदेश के देवरिया और जौनपुर में उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों के पक्ष में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए योगी ने कहा था कि 'लव जिहाद' में शामिल लोगों के पोस्टर चौराहों पर लगाए जाएंगे। पिछले सप्ताह हरियाणा के बल्लभगढ़ में कॉलेज की 21 वर्षीय छात्रा निकिता की एक व्यक्ति ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

मृतका के परिवार ने आरोप लगाया है कि आरोपी व्यक्ति उसपर शादी करने के लिए इस्लाम

अपनाने का दबाव बना रहा था। कुछ हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया है कि लड़की की हत्या ''लव जिहाद'' का मामला है। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने शुक्रवार को मृतका के परिवार से मुलाकात की थी और ''लव जिहाद'' की घटनाओं को लेकर चिंता जताई थी। हरियाणा सरकार ने इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम का गठन किया है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों-मुख्य आरोपी तौसीफ और रेहान को गिरफ्तार किया है। तीसरे व्यक्ति को मुख्य आरोपी को हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

कोरोना वायरस : भारत में संक्रमण के मामले 81,84,082 हुए, मौत का आंकड़ा बढ़ा

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 46,963 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हुए लोगों की कुल संख्या रविवार को बढ़कर 81,84,082 हो गई, जिनमें से 74.91 लाख से अधिक लोग स्वस्थ हो चुके हैं और इसी के साथ देश में लोगों के संक्रमणमुक्त होने की दर बढ़कर 91.54 प्रतिशत हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 470 और लोगों की मौत होने से देश में संक्रमण के कारण अब तक जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 1,22,111 हो गई है। देश में अब तक 74,91,513 लोग कोविड-19 संक्रमण से उबर चुके हैं और देश में लोगों के संक्रमणमुक्त होने की दर बढ़कर 91.54 प्रतिशत हो गई है। कोरोना वायरस के कारण लोगों की मौत की दर 1.49 प्रतिशत है। भारत में लगातार तीसरे दिन उपचाराधीन लोगों की संख्या छह लाख से नीचे रही। आंकड़ों के अनुसार, देश में 5,70,458 लोग उपचाराधीन हैं, जो कुल मामलों का 6.97 प्रतिशत है। भारत में कोविड-19 के मामलों की संख्या सात अगस्त को 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख, पांच सितंबर को 40 लाख, 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख और 29 अक्टूबर को 80 लाख के पार हो गई थी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुसार, 31 अक्टूबर तक कुल 10,98,87,303 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की चुकी है, जिनमें से शनिवार को 10,91,239नमूनों की जांच की गई।

निकिता की हत्या के बाद पुलिस को चकमा देना चाहता था तौसिफ, इसके लिए बदला था हुलिया

फरीदाबाद (एजेंसी)।

निकिता मर्डर केस में पुलिस की जांच के दौरान एक और खुलासा हुआ है। निकिता की हत्या को अंजाम देने के बाद फरार हुए आरोपियों तौसीफ व उसके साथी रेहान ने पुलिस को चकमा देने के लिए अपना हुलिया भी बदल दिया था। इसके लिए पहचान का नाई बुलाकर सिर के बाल कटवाए थे। आपको बता दें कि छात्रा निकिता की हत्या की जांच को लेकर एसआईटी शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे निकिता के घर पहुंची। करीब एक घंटे तक परिवार के सदस्यों से हत्याकांड को लेकर जानकारी जुटाई। उधर, निकिता हत्याकांड के विरोध में शनिवार को बल्लभगढ़ के बाजार में विरोध मार्च निकाला गया।

दरअसल, तौसीफ के सिर के बाल काफी लम्बे थे। इसके चलते शुरुआत में दोनों ने अपने एक रिश्तेदार के निर्माणाधीन मकान में शरण लेकर अपना हुलिया बदला था। सीसीटीवी फुटेज को देख निकिता के भाई ने उसे पहचान लिया था, इसलिए हुलिया बदलने के बावजूद उसे पुलिस ने धर दबोचा। परिजनों ने बताया कि करीब एक घंटे तक चली बातचीत के दौरान पुलिस ने सभी बिंदुओं पर बारीकी से चर्चा की। इस दौरान वर्ष 2018 में हुए अपहरण से लेकर हत्याकांड तक का पूरा ब्योरा जुटाया। निकिता के पिता मूलचंद, भाई नवीन तथा मामा एदल सिंह रावत एडवोकेट ने कहा कि एसआईटी की टीम ने उसने घटना से संबंधित सभी एंगल से जानकारी जुटाई। वे टीम की कार्रवाई से पूरी तरह संतुष्ट हैं। टीम में चार सदस्य थे। इनमें पुलिस के दो अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने एक-एक पहलू पर गौर करते हुए कागजों पर अंकित किए। अब उन्हें उम्मीद है कि कुछ न कुछ परिणाम जल्द ही निकल जाएगा। उधर, शनिवार को बल्लभगढ़ के बाजार में विरोध मार्च निकाला गया। प्रदर्शनकारी हत्यारों को फांसी देने की मांग कर रहे थे। विरोध मार्च पूर्व संसदीय सचिव शारदा राठौर के नेतृत्व में निकाला गया।

पुलिस अधिकारी की भूमिका की जांच को लिखा पत्र: सुप्रीम कोर्ट के वकील राजीव यादव ने शनिवार को पुलिस आयुक्त ओपी सिंह को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि इस मामले में तौसीफ के रिश्तेदार पुलिस अधिकारी की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि साल 2018 में तौसीफ के निकिता का अपहरण करने के मुकदमे में निकिता के परिवार पर इसी अधिकारी ने समझौते का दबाव बनाया था।

अपना घर रोशन कर और नीतीश का घर जलाकर 'चिराग' को बुझाना चाहती है भाजपा?

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के बिहार प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल ने विधानसभा चुनाव में लोजपा प्रमुख चिराग पासवान के पीछे भाजपा का हाथ होने का दावा करते हुए रविवार को कहा कि भाजपा इस 'चिराग' के जरिए अपना घर रोशन करना चाहती है और नीतीश कुमार का घर जलाना चाहती है तथा फिर 'चिराग' को बुझाना चाहती है। उन्होंने यह सवाल भी किया कि अगर चिराग पासवान को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन नहीं है तो फिर उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से बाहर क्यों नहीं किया गया?

गोहिल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में यह दावा भी किया कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव में पाकिस्तान और पुलवामा का मुद्दा नहीं चलेगा क्योंकि जनता तेजस्वी यादव के राजनीतिक बोझ (बैगेज) रहित चेहरे और कांग्रेस के शासन के अनुभव को समर्थन देना तय कर चुकी है। राज्यसभा सदस्य ने कहा, ''बिहार में भाजपा-जदयू गठबंधन सरकार से लोग बहुत परेशान हैं और परिवर्तन चहते हैं। दूसरी तरफ, एक सकारात्मक एजेंडे के साथ महागठबंधन जनता के बीच है और लोग इससे खुश हैं। पूरी उम्मीद है कि महागठबंधन की सरकार बनेगी।''

महागठबंधन में कांग्रेस के कमजोर कड़ी होने की धारणा को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि कुछ मुश्किल सीटें मिलने के बावजूद पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा, '' हमने 95 सीट चिह्नित की थीं और कहा था कि इन्हीं में से हमें सीट चाहिए। लेकिन महागठबंधन को साथ रखना था और राजद की भी मजबूरी रही होगी। कुछ ऐसी सीटें हमारे खाते में आई हैं जिन्हें हमने 30 साल से नहीं जीता। यह सब होते हुए भी हमने पूरी ताकत लगाई है और हमारा प्रदर्शन अच्छा रहेगा।'' यह पूछे जाने पर कि महागठबंधन के कितनी सीट जीतने की उम्मीद है तो गोहिल ने कहा, ''मैं हवाबाजी नहीं करता और ज्योतिषी भी नहीं हूं। बिहार की जनता ने ठान लिया है तो बदलाव होकर रहेगा।''

पाकिस्तान के कुछ नेताओं के पुलवामा हमले से जुड़े हालिया बयानों और इसपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से विपक्षी दलों को घेरने को लेकर कांग्रेस नेता ने दावा किया कि इस तरह के मुद्दों का बिहार चुनाव में कोई असर नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''पिछले चुनाव में कहा गया था कि महागठबंधन जीतेगा तो पाकिस्तान में पटाखे जलेंगे, लेकिन क्या हुआ। इस बार भी इन मुद्दों का असर जीरो होगा। यह चाणक्य की भूमि की जनता है। वो समझ रही है कि ये लोग असल मुद्दों की बात नहीं कर रहे हैं। अगर केंद्र और नीतीश सरकार ने अच्छा काम किया होता होता वे अपने काम पर वोट मांगते।'' इस सवाल पर कि क्या 10 लाख सरकारी नौकरियां देना व्यावहारिक वादा है, गोहिल ने कहा, ''इसको लेकर हमने पूरा होमवर्क किया है। 4.5 लाख पद रिक्त हैं। इसे तो भरना है।

जनसंख्या के अनुपात में पुलिसकर्मियों, चिकित्साकर्मियों, शिक्षकों और अन्य सरकारी कर्मचारियों की बहुत कमी है। इन सबमें बहुत कुछ करने की जरूरत है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''बजट को ध्यान में रखकर और जानकारों से राय लेकर यह वादा किया गया है। यह वादा पूरा करना इस बजट दायरे में रहकर संभव है। बजट में जो लीकेज हैं, उसे खत्म कर देंगे और भ्रष्टाचार रोक देंगे तो ये नौकरियां लोगों को मिल जाएंगी।'' इस चुनाव में राजनीतिक समीक्षकों द्वारा तेजस्वी यादव और महागठबंधन को गंभीरता से लेने के कारणों पर कांग्रेस नेता ने कहा, '' तेजस्वी के ऊपर कोई 'बैगेज' नहीं है। वह युवा चेहरा हैं। उन्होंने सबको साथ लेकर चलने की बात की है। साथ ही कांग्रेस का सुशासन का रिकॉर्ड और अनुभव है। इसे बिहार की जनता ने स्वीकार किया है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या अगड़ी जातियों के मतदाता राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन पर भरोसा करेंगे, उन्होंने कहा, ''तेजस्वी ने बार-बार कहा है कि वह सभी जाति और धर्म के लोगों को साथ लेकर चलेंगे। जब कांग्रेस साथ है तो अगड़ी जाति या किसी भी जाति को यह चिंता नहीं है कि उसके साथ कोई अन्याय होगा।'' सरकार बनने पर सत्ता में कांग्रेस की हिस्सेदारी और उपमुख्यमंत्री के पद की मांग संबंधी सवाल पर पार्टी प्रभारी ने सिर्फ इतना कहा कि फिलहाल चुनाव जीतना प्राथमिकता है और बाकी चीजें बाद में बैठकर तय होंगी।

चिराग पासवान के नीतीश कुमार पर हमलों को लेकर कटाक्ष करते हुए गोहिल ने कहा, ''भाजपा के एक हाथ में ऐसा चिराग है जिससे वो अपना घर रोशन करना चाहती है, जदयू का घर जलाना चाहती है और फिर उसी चिराग को बुझाना चाहती है।'' उन्होंने दावा किया, ''भाजपा के दूसरे हाथ ओवैसी हैं जिनका वह धर्मनिरपेक्ष नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल करना चाहती है। लेकिन भाजपा के ये 'ठगबंधन' बेनकाब हो चुके हैं।'' गोहिल ने सवाल किया, ''अगर भाजपा चिराग को नीतीश कुमार के खिलाफ इस्तेमाल नहीं कर रही है तो फिर उन्हें राजग से बाहर क्यों नहीं करती है?'' गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में राजद और वाम दलों के साथ तालमेल कर मैदान में उतरी कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राजद 144और वाम दल 29 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के तहत 28 अक्टूबर को पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ। तीन नवंबर को दूसरे और सात नवंबर को तीसरे चरण का मतदान होगा। मतगणना 10 नवंबर को होगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)